23 दिसंबर 2025
मंगलवार

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण



रामायण सर्किट से जुड़ेगा रघुनाथपुर, तुलसीदास की स्मृति में तुलसी महोत्सव की उठी मांग

2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

आपकी आवाज

एक नजर

एयर इंडिया के विमान की इमरजेंसी लैंडिंग

नई दिल्ली। एयर इंडिया के एक और विमान की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई है। एयर इंडिया के प्रवक्ता के अनुसार सोमवार को दिल्ली से मुंबई जा रही फ्लाइट एआई-887 को टेक-ऑफ के तुरंत बाद तकनीकी खराबी के कारण स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर के तहत वापस दिल्ली एयरपोर्ट पर लैंड कराया गया। उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद विमान के एक इंजन में तकनीकी दिक्कत आ गई। जिसके चलते क्रू ने सतर्कता बरतते हुए विमान को दिल्ली लौटाने का फैसला किया। चूंकि दो इंजन वाले विमान एक इंजन पर भी सुरक्षित रूप से लैंड कर सकते हैं, इसलिए विमान को बिना किसी हादसे के सुरक्षित उतार लिया गया। फ्लाइट ट्रैकिंग साइट्स के अनुसार, एआई-887 ने सुबह में मुंबई के लिए उड़ान भरी थी। उड़ान के कुछ ही देर बाद वापस दिल्ली लौट आई। विमान की सुरक्षित लैंडिंग के बाद सभी यात्रियों और क्रू मेंबर्स को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

सबरीमाला सोना चोरी मामले में एसआईटी की जांच पर कांग्रेस का वार

कोच्चि। केरल के प्रसिद्ध सबरीमाला मंदिर से जुड़े सोना चोरी मामले में सियासी घमासान तेज हो गया है। कांग्रेस ने इस मामले की जांच कर रही विशेष जांच टीम पर गंभीर सवाल उठाए हैं। पार्टी का आरोप है कि जांच स्वतंत्र नहीं है और इसे राज्य के गृह विभाग द्वारा नियंत्रित किया जा रहा है, जिससे सच सामने आने में देरी हो रही है। कोच्चि में मीडिया से बात करते हुए केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सनी ने कहा कि एसआईटी अब तक इस मामले के असली दोषियों तक पहुंचने में नाकाम रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि जांच की दिशा और गति दोनों ही सवालों के घेरे में हैं। उनका कहना है कि खुद केरल हाईकोर्ट ने भी एसआईटी की जांच की रफ्तार और गंभीरता पर चिंता जताई है। सनी जोसेफ ने कहा कि हाईकोर्ट ने साफ तौर पर संकेत दिया है कि इस मामले में कुछ बड़े और प्रभावशाली लोग शामिल हैं, जिन तक अब तक जांच एजेंसी नहीं पहुंच पाई है।

मनरेगा पर बुलडोजर, लोकतंत्र भी निशाने पर : राहुल गांधी

- **करोड़ें मेहनतकश भारतीयों को अपनी रेजी-रोटी गंवाकर चुकानी पड़ेगी**
- **मोदी सरकार ने 20 साल के मनरेगा को एक दिन में खत्म**



एजेंसी। नई दिल्ली

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम) को लेकर मोदी सरकार पर जोरदार हमला बोला है। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि सरकार ने बिना जनसंवाद, बिना संसद में चर्चा और बिना राज्यों की सहमति के मनरेगा और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं दोनों पर बुलडोजर चला दिया है। उन्होंने इसे विकास नहीं, बल्कि विनाश करार देते हुए कहा कि इसकी कीमत करोड़ों मेहनतकश भारतीयों को अपनी रोजी-रोटी गंवाकर चुकानी पड़ेगी। राहुल गांधी ने अपने ट्वीट में कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी के लेख का हवाला देते हुए लोगों से इसे पढ़ने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह लेख मनरेगा से जुड़े इस गंभीर मुद्दे के हर पहलू का पदार्फाश करता है।

विकसित भारत जी राम जी बिल को गांव विरोधी करार दिया : इससे पहले कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने 19 दिसंबर को विकसित भारत जी राम जी बिल को लेकर केंद्र की मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला था। राहुल गांधी ने कहा था कि मोदी सरकार ने 20 साल के मनरेगा को एक दिन में खत्म कर दिया।

केंद्र सरकार पर राहुल गांधी ने लगाए गंभीर आरोप

राहुल गांधी ने कहा कि पीएम मोदी के लक्ष्य साफ हैं कि मजदूरों को कमजोर करना, ग्रामीण भारत, खासकर दलितों, ओबीसी और आदिवासियों की ताकत को कमजोर करना, सत्ता का केंद्रीकरण करना, और फिर नारों को सुधार के रूप में बेचना।श कांग्रेस नेता ने कहा कि मनरेगा दुनिया के सबसे सफल गरीबी उन्मूलन और सशक्तिकरण कार्यक्रमों में से एक था। हम इस सरकार को ग्रामीण गरीबों की आखिरी सुरक्षा पंक्ति को नष्ट नहीं करने देंगे। हम इस कदम को हराने के लिए मजदूरों, पंचायतों और राज्यों के साथ खड़े होंगे और यह सुनिश्चित करने के लिए देशव्यापी मोर्चा बनाएंगे कि यह कानून वापस लिया जाए। गुरुवार रात को संसद ने विपक्ष के जोरदार विरोध के बीच विकसित भारत जी राम जी (विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण)) विधेयक को पारित कर दिया, जो 20 साल पुराने मनरेगा कानून की जगह लेगा। नया विधेयक हर साल 125 दिनों की ग्रामीण मजदूरी रोजगार की गारंटी देता है। विपक्ष ने मौजूदा ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना से महात्मा गांधी का नाम हटाने का कड़ा विरोध किया और केंद्र सरकार पर राज्यों पर वित्तीय बोझ डालने का आरोप लगाया।

पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लिए ज्ञान सबसे बड़ा हथियार : गडकरी

एजेंसी। नई दिल्ली

पुणे केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को आईआईटी बॉम्बे में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि भारत को 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था और दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बनाने के लिए ज्ञान ही सबसे शक्तिशाली हथियार है। उन्होंने जोर देकर कहा कि किसी भी देश का भविष्य उसकी भविष्य की टेक्नोलॉजी पर निर्भर करता है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आईआईटी और उनके छात्रों का देश के विकास और प्रगति में बहुत बड़ा योगदान है। सरकार में काम करते समय अगर हमें कोई चुनौती आती है, तो हम सबसे पहले आईआईटी से संपर्क करते हैं। आईआईटी की विश्वसनीयता इतनी अच्छी है कि हमें जो समाधान मिलता है, उसे बड़े पैमाने पर स्वीकार किया जाता है। उन्होंने छात्रों की सराहना करते हुए कहा आप 'ज्ञान की पूंजी' हैं। उन्होंने आगे कहा कि देश की प्रगति, संसाधन, टेक्नोलॉजी महत्वपूर्ण हैं, लेकिन इससे भी ज्यादा महत्वपूर्ण भविष्य की टेक्नोलॉजी और ज्ञान है। किसी भी देश का भविष्य इस बात पर निर्भर करता है कि उसके पास किस तरह की भविष्य की टेक्नोलॉजी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन को साझा करते हुए गडकरी ने कहा कि भारत को तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने का मिशन ज्ञान के आधार पर ही पूरा होगा।

राजस्थान के कई शहरों में पुलिस-प्रदर्शनकारी भिड़े

अरावली पर्वत बचाने के लिए आंदोलन



- सड़क से डिजिटल प्लेटफॉर्म तक गूंज रहा अरावली सेव आंदोलन
- युवा से लेकर महिलाएंए हर किसी में रोषए सरकारों से एक ही सवाल.अरावली नहीं रही तोए हम कैसे रहेंगे

एजेंसी। जयपुर

अरावली पर्वतमाला को बचाने की मांग अब बड़े जन-आंदोलन का रूप लेती नजर आ रही है। अरावली को लेकर सरकार की नीतियों, खनन, अतिक्रमण और तेजी से हो रहे निर्माण कार्यों के खिलाफ उठी यह आवाज अब केवल सड़कों तक सीमित नहीं रही, बल्कि डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी जोरदार ढंग से गूंज रही है। हालात यह हैं कि लोग खुलकर विरोध में उतर आए हैं और सरकारों से जवाब मांग रहे हैं। उनका कहना है कि अरावली केवल पहाड़ नहीं, बल्कि हमारी सांस, पानी और भविष्य की सुरक्षा है। दरअसल,अरावली पर उठ रहे संकट को देखते हुए लोग सड़कों पर उतर आए हैं। अलग-अलग तरीकों से विरोध जता रहे हैं। दूसरी ओर, डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी आंदोलन उग्र हो रहा है। नतीजतन व्हाट्सऐप, एक्स, फेसबुक, इंस्टाग्राम जैसे सोशल प्लेटफॉर्म पर लोग खुलकर अपने विचार रख रहे हैं। श्अरावली सेवश, श्अरावली बचाओश, श्अरावली बचाओ-जीवन बचाओश जैसे हैशटैग ट्रेंड कर रहे हैं। पोस्ट, रील और वीडियो के जरिए लोग अरावली के महत्व को सामने रख रहे हैं। ज्यादातर यूजर्स सूखते जलस्रोतों, बढ़ते तापमान और प्रदूषण को अरावली से जोड़ते हुए सरकारों से जवाब भी मांग रहे हैं। ऐसे में साफ है कि सोशल मीडिया पर उठ रहा शोर यह संकेत दे रहा है कि यह मुद्दा अब आमजन की प्राथमिक चिंता बन चुका है। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर चल रहे इस आंदोलन में युवाओं की भागीदारी सबसे अधिक दिखाई दे रही है। कॉलेज छात्र, नौकरीपेशा युवा और डिजिटल क्रिएटर्स पर्यावरणीय तथ्यों के साथ अपनी बात रख रहे हैं। ड्रोन वीडियो, पुराने-नए फोटो और रिपोर्ट्स शेयर कर रहे हैं और बता रहे हैं कि किस तरह अरावली क्षेत्र लगातार सिमटता जा रहा है। विरोध कर रहे युवाओं का कहना है कि अरावली का संरक्षण सिर्फ पर्यावरण नहीं, बल्कि स्वास्थ्य और रोजगार से भी जुड़ा मुद्दा है। इतना ही नहीं,महिलाएं भी खुलकर विरोध जता रही हैं। सोशल साइट्स पर कई महिला समूहों ने इस आंदोलन को आने वाली पीढ़ियों के भविष्य से जोड़ते हुए संरक्षण की मांग कर रही हैं।

उठाना पड़ सकता भारी नुकसान

पड़ताल में सामने आया कि एक्टिविस्ट और ट्रैवल ब्लॉगर भी इस मुहिम में सक्रिय हैं। एक्टिविस्ट प्रशासनिक ढिलाई और नियमों के उल्लंघन की बात सामने रख रहे हैं, जबकि ट्रैवल ब्लॉगर अरावली की जैव विविधता और प्राकृतिक विरासत को दिखाकर लोगों को जोड़ रहे हैं। उनका कहना है कि, यदि अभी कदम नहीं उठाए गए, तो भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। इतना ही नहीं, डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लोग सरकारों को भी घेर रहे हैं। उनका कहना है कि जब प्रदेश भर से आवाज उठ रही है, तो सरकारों की ओर से स्पष्ट जवाब और ठोस कार्ययोजना क्यों नहीं आ रही। अरावली पर्वत श्रृंखला और पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से 25 से अधिक साइक्लिस्टों ने जयगढ़ पर एक विशेष साइकिल राइड का आयोजन किया।

दिल्ली से बिहार तक शीतलहर का कहर



एजेंसी। नई दिल्ली

पूरा उत्तर भारत इस समय कड़ाके की ठंड की चपेट में हैं। पहाड़ी इलाकों से लेकर मैदानी क्षेत्रों तक पारा लगातार गिर रहा है। पहाड़ों पर लगातार हो रही बर्फबारी ने मैदानी इलाकों में भी ठिठुरन बढ़ा दी है। दिल्ली, यूपी, राजस्थान समेत कई राज्यों में सोमवार को घना कोहरा छाया रहा, जिसके कारण लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। उत्तर प्रदेश में भी शीतलहर और कड़ाके की ठंड का कहर देखने को मिल रहा है। ठंड के कारण बांदा में एक किसान और एक युवक की मौत की भी खबर है। उधर, कोहरे के कारण सड़क, रेल और हवाई यातायात बुरी तरीके से प्रभावित है। सोमवार को कानपुर, बाराबंकी, अयोध्या, लखनऊ सहित प्रदेश के 40 से अधिक जिलों में कोहरा छाया रहा। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सोमवार की सुबह कंपकंपी बढ़ी। लोगों को गलन वाली ठंड का एहसास हुआ। कई जगहों पर सड़कों के किनारे लोग अलाव तापते नजर आए। सोमवार को घना कोहरा तो नजर नहीं आया, लेकिन हवा के कारण तापमान में लगातार कमी देखी जा रही है। आईएमडी के अनुसार, 25 दिसंबर तक पारा में ऐसे ही गिरावट देखने को मिल सकती है। उत्तर प्रदेश में भी शीतलहर का कहर देखने को मिल रहा है। कई जिलों में बढ़ती ठंड को देखते हुए जिला प्रशासन ने विद्यालयों में छुट्टी कर दी है। वहीं, लोगों से बेवजह घरों से न निकलने की अपील की गई है।

भविष्य के युद्ध मल्टी-डोमेन ऑपरेशन : अनिल चौहान

एजेंसी। नई दिल्ली

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने सोमवार को कहा कि भारत को आतंकवाद से निपटने के लिए ऑपरेशन सिंदूर जैसी कम समय की तेज सैन्य कार्रवाई के लिए तैयार रहना होगा। साथ ही पड़ोसी देशों के साथ जमीनी विवादों के कारण लंबे समय तक चलने वाले युद्ध के लिए भी तैयार रहना जरूरी है। आईआईटी बॉम्बे में उन्होंने कहा कि आने वाले समय में युद्ध सिर्फ एक तरीके से नहीं लड़े जाएंगे। मल्टी-डोमेन ऑपरेशन अब जरूरी बन चुके हैं। जमीन, हवा, समुद्र, साइबर और स्पेस सभी मोर्चों पर एक साथ एक्शन होगा और एक जगह के एक्शन का असर दूसरी जगह दिखेगा। सीडीएस जनरल चौहान ने पाकिस्तान या चीन का नाम लिए बिना कहा कि भारत के सामने दो परमाणु हथियार संपन्न देशों से जुड़ी चुनौतियां हैं। ऐसे में यह बहुत जरूरी है कि परमाणु ताकत के बीच संतुलन बना रहे और वह कमजोर न पड़े।चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने कहा कि युद्ध लगातार खुद को बदलता और बनाता रहता है। जो कॉन्सेप्ट भविष्य के लगते हैं, वे लागू होने से पहले ही पुराने भी हो सकते हैं। यह एक ऐसा रिस्क है जो सेना को उठाना पड़ता है। इसलिए फ्यूचर वॉरफेयर के मुताबिक अंदाजा लगाना, तैयारी करना हमारे अस्तित्व से जुड़ जाता है। इसका दूसरा कोई ऑप्शन नहीं है।





रामायण सर्किट से जुड़ेगा रघुनाथपुर, तुलसीदास की स्मृति में तुलसी महोत्सव की उठी मांग



- तुलसी आश्रम से बाबा ब्रह्मेश्वरनाथ तक कारीडोर और पर्यटन विकास से बदलेगा क्षेत्र का भविष्य

केटी न्यूज/ब्रह्मपुर

ब्रह्मपुर प्रखंड के रघुनाथपुर स्थित तुलसी आश्रम को धार्मिक पर्यटन के मानचित्र पर स्थापित करने की दिशा में नई पहल की मांग तेज हो गई है। तुलसी विचार मंच के संयोजक शैलेश ओझा ने विश्वामित्र महोत्सव, बिस्मिल्लाह खां महोत्सव और ब्रह्मपुर महोत्सव की तर्ज पर यहां तुलसी महोत्सव आयोजित किए जाने की आवश्यकता जताई है। उनका कहना है कि गोस्वामी तुलसीदास से जुड़ा यह ऐतिहासिक स्थल आज भी बुनियादी सुविधाओं से वंचित है, जबकि इसमें अपार पर्यटन संभावनाएं निहित हैं।

सरकारी अभिलेखों और शाहाबाद गजेटियर के अनुसार, गोस्वामी तुलसीदास ने रघुनाथपुर में प्रवास कर रामचरितमानस के उत्तरकांड के कुछ अंशों की रचना की थी। आश्रम परिसर में प्राचीन श्रीराम-जानकी मंदिर और भव्य महाकालेश्वर मंदिर स्थित हैं। इसके अतिरिक्त मात्र तीन किलोमीटर की दूरी पर स्थित बाबा ब्रह्मेश्वरनाथ मंदिर भी श्रद्धालुओं की आस्था का बड़ा केंद्र है, जहां सावन और महाशिवरात्रि के अवसर पर लाखों भक्त पहुंचते हैं। शैलेश ओझा और भाजपा कला एवं संस्कृति प्रकोष्ठ के प्रदेश सह संयोजक शंभू चंद्रवंशी ने बक्सर विधायक आनंद मिश्रा को छह सूत्री मांग पत्र सौंपा है। इसमें तुलसी आश्रम को रामायण सर्किट के प्रमुख पड़ाव के रूप में विकसित करने, गोस्वामी तुलसीदास की स्मृति में तुलसी महोत्सव आयोजित करने, आश्रम की भूमि की मापी-घेराबंदी कर गुरुकुल निर्माण, भव्य प्रवेश द्वार व प्रतिमा स्थापना, डिजिटल सुविधाओं से युक्त मानस पुस्तकालय, तुलसी सरोवर के चारों ओर पक्के घाट और सौंदर्यीकरण की मांग शामिल है। इसके साथ ही बाबा ब्रह्मेश्वरनाथ मंदिर से तुलसी आश्रम तक कारीडोर निर्माण और प्रमुख धार्मिक शहरों को जोड़ने वाली ट्रेनों का रघुनाथपुर में ठहराव देने की भी मांग उठाई गई है। स्थानीय लोगों का मानना है कि इन योजनाओं के धरातल पर उतरने से न केवल पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि क्षेत्रीय विकास और रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

चार भाईयों में सबसे बड़ा था मृतक, माता पिता की पहले ही हो चुकी है मौत

डुमरांव के कामगर की पूना में नृशंस हत्या, परिवार पर टूटा गम का पहाड़

- जानकारी मिलते ही मातमपूर्सी करने वालों की लगी भीड़

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव निवासी एक कामगर की महाराष्ट्र के पूणे में नृशंस हत्या कर दी गई है। घटना रविवार रात की है। हत्यारों ने घर से बुला धारदार हथियार से उसका गला रेत उसे मौत के घाट उतार दिया है। इसकी जानकारी मिलते ही मृतक के घर कोहराम मच गया, जबकि मोहल्ले में वीरानी छाई हुई है। मृतक की पहचान स्थानीय नगर के वार्ड 27 स्थित मतहिया नीम के पास के निवासी स्व. कृष्णा प्रसाद प्रजापति के 45 वर्षीय पुत्र दीपक प्रजापति के रूप में हुई है। दीपक के छोटे भाई गोविंद ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि उसका सबसे छोटा भाई राहुल प्रजापति भी बड़े भाई के साथ ही रहता था। सोमवार की सुबह उसी ने फोन कर इस लोमहर्षक घटना की जानकारी दी। फिलहाल पूणे पुलिस मामले की जांच व हत्यारों की धर पकड़ में जुटी है। इधर घटना के बाद से डुमरांव स्थित स्वजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया है।



घर से बुला दिया गया है घटना को अंजाम

मृतक के साथ रह रहे उसके छोटे भाई राहुल ने बताया कि रविवार की शाम भईया को किसी ने फोन कर बाहर बुलाया, उसके कुछ देर बाद से ही उनका दोनों नंबर स्वीच ऑफ आने लगा था। हमलोग पूरी रात खोजबीन किए, लेकिन कुछ पता नहीं चल सका। सुबह में उनका खून से लथपथ शव बरामद हुआ। जिसके बाद स्थानीय पुलिस को सूचना दी गई। हालांकि, घटना के कारणों का कुछ पता नहीं चल सका है।

एक दशक से अधिक समय से पूणे में रहता था मृतक

मृतक चार भाईयों में सबसे बड़ा था। उसके दो अन्य भाई गोविंद तथा गौतम डुमरांव में ही रहते है जबकि सबसे छोटा भाई राहुल पिछले डेढ़-दो वर्ष से अपने बड़े भाई के साथ ही रहता था। वहीं, मृतक की पत्नी डॉली व दो लड़के तथा एक लड़की भी पूणे में ही थे। उसके भाई गोविंद का कहना है कि दीपक करीब 10-15 वर्षों से वहां रह प्राइवेट नौकरी करता था। माता-पिता की मौत के बाद वहीं घर से सबसे बड़ा सदस्य था तथा पूरे परिवार का संचालन करता था। उसकी हत्या से परिवार पूरी तरह से टूट चुका है। किसी को कुछ समझ में नहीं आ रहा है कि क्या किया जाए।

जानकारी मिलते ही मातमपूर्सी को लगी भीड़

इसकी जानकारी मिलते ही मृतक के दरवाजे पर संवेदना जताने वालों की भीड़ इकट्ठा हो गई। इस क्रम में वार्ड 27 के पार्षद अरविंद शर्मा, नगर परिषद के कार्यकारी अध्यक्ष विकास ठाकुर समेत कई अन्य वार्ड पार्षद व सामाजिक सरोकार से जुड़े लोग उसके घर पहुंच पीड़ित स्वजनों को ढांढस बंधा रहे थे, लेकिन ढांढस का एक भी मरहम उनके जख्म को भरने में नाकाम साबित हो रहा था। कार्यकारी चेयरमैन विकास ने बताया कि पीड़ित परिवार काफी गरीब तबके से आता है तथा चारों भाई मेहनत-मजदूरी कर किसी तरह परिवार का संचालन कर रहे थे, लेकिन परिवार के मुखिया की हत्या ने परिवार को गहरा जख्म दिया है।

20 महीने से बकाया मानदेय पर स्कूलों के सफाई कर्मियों का फूटा गुस्सा

केटी न्यूज/राजपुर

सरकारी स्कूलों की स्वच्छता व्यवस्था को संभालने वाले सफाई कर्मी आज खुद बदहाली और शोषण की मार झेल रहे हैं। राजपुर प्रखंड के सभी सरकारी विद्यालयों में कार्यरत सफाई कर्मियों ने काली पट्टी बांधकर विरोध जताते हुए साफ संदेश दिया है कि अब चुप्पी नहीं, संघर्ष होगा। आरोप है कि निजी ठेका कंपनी के जरिए नियुक्त इन कर्मियों को पिछले करीब 20 महीनों से नियमित मानदेय नहीं दिया गया है, जिससे उनका जीवन संकट में आ गया है। सफाई कर्मियों का कहना है कि जिस कंपनी आरएस इंटरप्राइजेज के माध्यम से उन्हें बहाल किया गया, वह समय पर भुगतान तो दूर, वेतन मांगने पर 1000 से 1500 रुपये थमाकर टाल देती है। कई बार आवाज उठाने पर कर्मियों को धमकाया भी जाता है कि जो करना है कर लो, कुछ नहीं मिलेगा। इससे कर्मियों में भारी आक्रोश है। एआईवाईएफ के राज्य उपाध्यक्ष सह सीपीआई नेता अधिवक्ता रितेश श्रीवास्तव के नेतृत्व में हुई बैठक में इस पूरे मामले को ठेका व्यवस्था की खुली लूट करार दिया गया। रितेश श्रीवास्तव ने कहा कि सरकार द्वारा स्कूलों की सफाई जैसी बुनियादी जरूरत को निजी कंपनियों के हवाले कर देना मजदूरों के शोषण का रास्ता खोल देता है। कंपनी लाभ कमाने में लगी है और मजदूरों को महीनों तक मेहनताना नहीं मिल रहा, यह गंभीर अपराध है। सफाई कर्मियों ने बताया कि अपनी पीड़ा को लेकर वे कई बार विभागीय अधिकारियों को लिखित आवेदन दे चुके हैं, लेकिन आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। मजबूर होकर लेबर कोर्ट डालमियानगर में भी आवेदन दिया गया है, जहां से भी अब तक कोई जवाब नहीं आया है। इससे प्रशासनिक उदासीनता पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। यह समस्या सिर्फ राजपुर प्रखंड तक सीमित नहीं है। जिले के लगभग सभी प्रखंडों में स्कूलों के सफाई कर्मियों की हालत एक जैसी बताई जा रही है। महीनों से वेतन नहीं मिलने के बावजूद ये कर्मी स्कूलों की सफाई कर व्यवस्था को बनाए हुए हैं। बैठक में मौजूद सभी सफाई कर्मियों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि अगर जल्द मानदेय का भुगतान और नियमित वेतन की व्यवस्था नहीं की गई, तो जनवरी महीने में जिलेस्तरीय बड़ा आंदोलन किया जाएगा। इस आंदोलन की पूरी जिम्मेदारी प्रशासन और ठेका कंपनियों की होगी।

धान अधिप्राप्ति में सुस्ती पर डीएम सख्त अधिकारियों को मैदान में उतरने का निर्देश

केटी न्यूज/बक्सर

जिले में धान अधिप्राप्ति की धीमी रफ्तार को लेकर जिला प्रशासन गंभीर नजर आ रहा है। इसी क्रम में जिलाधिकारी साहिला की अध्यक्षता में समाहरणालय परिसर स्थित कार्यालय कक्ष में धान अधिप्राप्ति टॉस्क फोर्स की अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में चल रहे धान अधिप्राप्ति कार्य की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई, जिसमें लक्ष्य के मुकाबले बेहद कम उपलब्धि सामने आने पर जिलाधिकारी ने कड़ा रुख अपनाया।

समीक्षा के दौरान यह तथ्य सामने आया कि जिले के 106 पैक्सों के माध्यम से अब तक 1098 किसानों से कुल 10803.63 मैट्रिक टन धान की ही अधिप्राप्ति की जा सकी है। यह आंकड़ा जिले को आवंटित कुल लक्ष्य का मात्र 8.38 प्रतिशत है, जो प्रशासन के लिए चिंता का विषय माना जा रहा है। जिलाधिकारी ने इस प्रगति को असंतोषजनक बताते हुए संबंधित अधिकारियों को कार्यप्रणाली में तेजी लाने का निर्देश दिया। उजिलाधिकारी साहिला ने जिला सहकारिता पदाधिकारी सहित सभी प्रखंडों के सहकारिता प्रसार पदाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि वे क्षेत्र में लगातार भ्रमणशील रहें और अधिक से अधिक किसानों को पैक्सों से जोड़ते हुए धान अधिप्राप्ति सुनिश्चित कराएं। उन्होंने कहा कि किसानों को किसी भी तरह की परेशानी नहीं होनी चाहिए और अधिप्राप्त धान का भुगतान निर्धारित समय सीमा के भीतर हर हाल में किया जाए। भुगतान में देरी को प्रशासन किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं करेगा। बैठक में यह भी कहा गया कि किसानों का विश्वास बनाए रखना धान अधिप्राप्ति की सफलता की कुंजी है। इसके लिए पैक्स स्तर पर पारदर्शिता, त्वरित तौल, सही गुणवत्ता जांच और समय पर भुगतान अनिवार्य है। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिन क्षेत्रों में धान अधिप्राप्ति कम है, वहां विशेष अभियान चलाकर किसानों को जागरूक किया जाए।

हाईकोर्ट के निर्देश पर आज अतिक्रमणमुक्त होगा सिकरौल का सार्वजनिक पोखरा



- हाईकोर्ट के निर्देश के बाद हरकत में आया अमला, 26 परिवारों को नोटिस

केटी न्यूज/चौसा

सिकरौल गांव का सार्वजनिक पोखरा अब अवैध कब्जे के बोझ से मुक्त होने जा रहा है। पटना उच्च न्यायालय के सख्त निदेर्शों के बाद प्रशासन ने अतिक्रमण के खिलाफ निर्णायक रुख अपनाते हुए वर्षों से जमे अवैध कब्जे को हटाने की कार्रवाई तेज कर दी है। पोखरे की भूमि पर झोपड़ी और ईंट से बने कच्चे मकानों में रह रहे 26 परिवारों को नोटिस जारी कर अंतिम चेतावनी दे दी गई है, जिससे पूरे इलाके में खलबली मच गई है। अंचल प्रशासन के अनुसार सिकरौल पोखरा सरकारी अभिलेखों में सार्वजनिक जलस्रोत के रूप में दर्ज है। इसके बावजूद लंबे समय से इस पर निजी कब्जा किया गया था, जिससे न केवल जलस्रोत का अस्तित्व खतरे में था बल्कि पर्यावरणीय संतुलन भी प्रभावित हो रहा था। न्यायालय के आदेश को गंभीरता से लेते हुए प्रशासन ने अतिक्रमणकारियों को स्वेच्छा से जमीन खाली करने का अवसर दिया है।

मंगलवार को होगी निर्णायक कार्रवाई

निर्धारित समयसीमा समाप्त होते ही मंगलवार को दंडाधिकारी के नेतृत्व में अंचलाधिकारी और पुलिस बल की संयुक्त टीम मौके पर पहुंचेगी। प्रशासन ने साफ कर दिया है कि यदि स्वेच्छा से भूमि खाली नहीं की गई तो कानून के तहत बल प्रयोग कर अतिक्रमण हटाया जाएगा। इस दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की

मानवीय पहलू पर भी नजर

प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि कार्रवाई केवल सख्ती तक सीमित नहीं रहेगी। जांच में जो परिवार वास्तविक रूप से भूमिहीन पाए जाएंगे, उनके पुनर्वास के लिए वैकल्पिक व्यवस्था पर विचार किया जाएगा। हालांकि, अवैध कब्जे को किसी भी सूरत में संरक्षण नहीं दिया

पोखरे के पुनर्जीवन की तैयारी

अतिक्रमण हटने के बाद प्रशासन सिकरौल पोखरे के कायाकल्प की योजना पर भी काम कर रहा है। जलस्रोत की सफाई, गहरीकरण, सौंदर्यीकरण और संरक्षण के लिए प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है, ताकि भविष्य में दोबारा कब्जा न हो और गांव को उसका प्राकृतिक जलस्रोत वापस मिल सके। इस पूरी कार्रवाई को प्रशासनिक सख्ती के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है, जो अन्य अतिक्रमणकारियों के लिए भी स्पष्ट संदेश है कि सार्वजनिक संपत्ति पर कब्जा अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

Mob: 9122226720
कुमार आर्थोपेडिक्स क्लिनिक
सुमित्रा महिला कॉलेज से पूरब, बेतवानी मोड़, डुमराँव
डा. बिरेन्द्र कुमार
आर्थोपेडिक सर्जन
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डा. एस.के. अम्बष्ठ
M.B.B.S (MKCC, ODISHA)
MD (Derma & Cosmetology),
KMC Manipal (Gold Medalist)
चर्म रोग, कुष्ट रोग, गुप्त रोग, सौंदर्य विशेषज्ञ
प्रत्येक मंगलवार
डा. अरूण कुमार
जेनरल एण्ड लेप्रोस्कोपिक सर्जन
(M.B.B.S, D.NB. (New Delhi)
पेट रोग विशेषज्ञ
प्रत्येक गुरूवार

संख्याओं से दोस्ती, सूत्रों से रोमांच, रामानुजन जयंती पर सरस्वती शिशु मंदिर में गणित मेला बना बच्चों की प्रतिभा का मंच

केटी न्यूज/बक्सर

गणित को अक्सर कठिन और उबाऊ विषय माना जाता है, लेकिन शहर के नया बाजार स्थित सरस्वती शिशु मंदिर में सोमवार को आयोजित गणित मेला ने इस धारणा को पूरी तरह बदल दिया। महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन की जयंती के अवसर पर आयोजित इस मेले में संख्याएं खेल बन गईं, सूत्र कहानियां सुनाने लगे और गणित सीखना बच्चों के लिए रोमांचक अनुभव बन गया।

कार्यक्रम का उद्घाटन विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रमोद कुमार ने दीप प्रज्वलित कर तथा रामानुजन के तैलचित्र पर पुष्प अर्पित कर किया। इस अवसर पर जयंती प्रमुख उपेन्द्र कुमार ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की, जबकि संचालन संजीव कुमार ने किया। पूरे परिसर में उत्सव जैसा माहौल रहा, जहां बच्चों की जिज्ञासा और आत्मविश्वास देखते ही बन रहा था।



गणित मेले की सबसे खास बात रही विद्यार्थियों द्वारा लगाई गई गणितीय प्रोजेक्ट प्रदर्शनी। छोटे-छोटे स्टॉलों पर बच्चों ने पहले और बाद की संख्याएं, एलजेब्रा के सूत्र, समय और दूरी के गणितीय नियम, तथा दैनिक जीवन में गणित के प्रयोग को बेहद सरल और आकर्षक तरीके से प्रस्तुत किया। कहीं चार्ट और मॉडल थे तो कहीं सवाल-जवाब के जरिए गणित को समझाया जा रहा था। दर्शक बने अभिभावक और शिक्षक बच्चों की प्रस्तुति देखकर आश्चर्यचकित नजर आए। प्रधानाचार्य प्रमोद कुमार ने कहा कि ऐसे आयोजनों से बच्चों में छिपी रचनात्मकता और तार्किक क्षमता को पहचानने का अवसर मिलता है। गणित केवल अंकों का खेल नहीं, बल्कि सोचने और समस्या सुलझाने की कला है, जिसे इस मेले ने बखूबी साबित किया। मेले के दौरान रामानुजन के जीवन और उनके योगदान पर भी चर्चा हुई। बच्चों और शिक्षकों ने बताया कि किस तरह सीमित संसाधनों के बावजूद रामानुजन ने विश्व गणित को नई दिशा दी। उनके संघर्ष और प्रतिभा से प्रेरणा लेने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के अंत में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शनी लगाने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर अभय पांडेय, द्विजेश सिंह, सुशील कुमार, रोहिणी कुमारी, पूनम सिंहा सहित कई शिक्षक व गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कुल मिलाकर यह गणित मेला बच्चों के लिए सीखने, समझने और आनंद लेने का यादगार अनुभव बन गया।

मधुबन मैरिज हॉल
आपके सपनों का विवाह स्थल
अब आपके शहर बक्सर में विवाह, रिसेप्शन, मैरेज एनिवर्सरी, जन्मदिन और सभी शुभ अवसरों के लिए एक भव्य और सुविधाजनक उपलब्ध है स्थल
विशेषताएं:
विशाल और सुसज्जित हॉल
आकर्षक स्टेज डेकोरेशन
ठहरने की उत्तम व्यवस्था (एसी/नॉन-एसी कमरे)
बड़ा पार्किंग एरिया
24x7 बिजली और पानी की सुविधा
साफ-सुथरा और हाइजीनिक किचन एरिया
बजट के अनुसार पैकेज उपलब्ध
हर आयोजन को बनाएं यादगार, सिर्फ मधुबन मैरिज हॉल के साथ
अखिलेश्वर पाठक
प्रोपराइटर


सारीमपुर, बक्सर
बुकिंग के लिए संपर्क करें: +91 7061608901

नाथ बाबा मंदिर में तस्करी का खेल, माफियाओं ने उड़ा दिए 50 साल पुराने चंदन के दो पेड़

- एसडीओ आवास से सटे मंदिर परिसर में कही संगठित गिरोह की दस्तक तो नहीं, सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर जिले में चंदन तस्करी का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जिसने प्रशासनिक सुरक्षा व्यवस्था और पुलिस की सक्रियता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। एसडीओ के सरकारी आवास से सटे नाथ बाबा मंदिर परिसर से मलयागिरी प्रजाति के करीब 50 वर्ष पुराने चंदन के दो पेड़ों की किसी ने चोरी कर ली है। इस चोरी ने यह संकेत दे दिया है कि जिले में अब स्थानीय नहीं, बल्कि संगठित और पेशेवर तस्कर सक्रिय हो चुके हैं।



अंतर्राष्ट्रीय बाजार तक फैला चंदन का खेल

जानकारों के अनुसार मलयागिरी चंदन दुनिया की सबसे महंगी चंदन प्रजातियों में शुमार है। इसकी खुशबू और औषधीय गुणों के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत लाखों रुपये तक पहुंच जाती है। ऐसे में मंदिर परिसर से दो विशाल चंदन के पेड़ों का गायब होना सामान्य चोरी नहीं, बल्कि एक सोची-समझी तस्करी की ओर इशारा करता है।

25 फीट लंबे पेड़, तैयारी पूरी थी

करीब 25 फीट लंबे और भारी-भरकम चंदन के पेड़ों को काटकर ले जाना किसी आम चोर के बस की बात नहीं। जिस अंदाज में पेड़ों को काटा गया और सुरक्षित तरीके से बाहर निकाला गया, उससे साफ है कि चोर पूरी तैयारी, औजारों और पर्याप्त जनशक्ति के साथ आए थे। यह घटना बताती है कि तस्करों ने मौके की रेकी पहले से कर रखी थी।

बाउंड्री वॉल के पीछे से घुसे चोर

प्रारंभिक जांच में एसडीओ आवास की पिछली बाउंड्री वॉल से घुसपैठ के निशान मिले हैं। मौके से रस्सा और सीढ़ी का मिलना इस बात की पुष्टि करता है कि चोरों को परिसर की संरचना, रास्तों और सुरक्षा व्यवस्था की पूरी जानकारी थी। इससे अंदरूनी सूचना लीक होने की आशंका भी गहराने लगी है।

सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल

नाथ अखाड़ा से जुड़े लोगों का कहना है कि मंदिर परिसर में वर्षों पुराने चंदन के पेड़ होने की जानकारी सभी को थी, लेकिन उनकी सुरक्षा के लिए न तो निगरानी की व्यवस्था थी और न ही किसी तरह का रिकॉर्ड रखा गया था। एसडीओ आवास के इतने करीब से चोरी होना सुरक्षा व्यवस्था की बड़ी चूक मानी जा रही है।

तस्करी एंगल से जांच में जुटी पुलिस

घटना के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश है और वे इसे अंतरजिला चंदन तस्करी नेटवर्क से जोड़कर देख रहे हैं। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तस्करी एंगल से जांच शुरू कर दी है। यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि चोरी किया गया चंदन किस रास्ते, किस वाहन और किस गिरोह के जरिए बाहर भेजा गया। नाथ बाबा के साए में हुई यह चोरी अब जिले में चंदन माफिया की मौजूदगी का बड़ा संकेत बन चुकी है, जिसे रोकना प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती साबित हो सकता है।

एक नजर

सड़क पार कर रही महिला को पिकअप ने रौंदा, इलाज के दौरान मौत



डुमरांव। डुमरांव बिक्रमगंज पथ पर एक तेज रफ्तार पिकअप के रौंदने से एक महिला गंभीर रूप से जख्मी हो गई। आनन-फानन में डायल 112 की टीम व स्वजन उसे इलाज के लिए लेकर डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया है। घटना सोमवार दोपहर बाद डुमरांव बिक्रमगंज पथ पर मोतीसाबद के समीप की है। पुलिस ने दुर्घटना को अंजाम देने वाले पिकअप वाहन को जब्त करने के साथ ही चालक को गिरफ्तार कर लिया है। मृतका की पहचान स्थानीय गांव निवासी पुनछतर बिंद की 60 वर्षीय पत्नी लालती देवी के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार वह पैदल सड़क पार कर रही थी। इसी दौरान सुधा डेयरी डुमरांव का पिकअप वैन तेज रफ्तार से जा रहा था, जिसकी चपेट में आने से लालती गंभीर रूप से जख्मी हो गई। खून से लथपथ तथा बेहोशी की हालत में उसे अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

इस घटना के बाद जहां स्वजनों में क्रंदन-चित्कार मच गया वहीं ग्रामीणों में डुमरांव-बिक्रमगंज पथ पर बेलगाम परिचालन के प्रति आक्रोश गहरा गया है। ग्रामीणों का कहना है कि इस पथ पर वाहनों की तेज रफ्तार के कारण अक्सर दुर्घटनाएं होती है। इसकी पुष्टि करते हुए कोरानसराय थानाध्यक्ष माधुरी कुमारी ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। वहीं, दुर्घटना को अंजाम देने वाले पिकअप वैन को जब्त कर चालक को हिरासत में लिया गया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। समाचार लिखे जाने तक पीड़ित पक्ष द्वारा लिखित शिकायत नहीं की गई थी।

शीतकालीन अवकाश के दौरान प्रशिक्षण पर शिक्षकों ने जताई आपत्ति, बाद में कराने की मांग

बक्सर । कार्यरत माध्यमिक शिक्षकों का शीतकालीन अवकाश के दौरान प्रस्तावित आवासीय प्रशिक्षण कराए जाने को लेकर शिक्षक संगठनों में नाराजगी देखी जा रही है। इसी क्रम में माध्यमिक शिक्षक संघ के पदाधिकारियों एवं शिक्षक नेताओं ने संयुक्त रूप से विभाग से प्रशिक्षण कार्यक्रम को शीतकालीन अवकाश के उपरांत आयोजित करने की मांग की है। शिक्षकों ने बताया कि विभाग द्वारा आवासीय प्रशिक्षण की तिथि 22 दिसंबर 2025 से 26 दिसंबर 2025 तक निर्धारित की गई है, जबकि निर्देशक माध्यमिक शिक्षा, शिक्षा विभाग पटना के ज्ञापांक संख्या 25/क3, दिनांक 03 दिसंबर 2024 के आदेशानुसार 25 दिसंबर 2025 से 31 दिसंबर 2025 तक शीतकालीन अवकाश घोषित है। इस स्थिति में प्रशिक्षण की तिथियां अवकाश अवधि से आच्छादित हो रही हैं। शिक्षक नेताओं का कहना है कि शीतकालीन अवकाश के दौरान शिक्षकगण प्रायः सुदूर क्षेत्रों की यात्रा करते हैं तथा परिवारजनों के साथ समय व्यतीत करते हैं। ऐसे में अवकाश अवधि में आवासीय प्रशिक्षण कराना न केवल व्यावहारिक कठिनाइयों को जन्म देता है, बल्कि मानवता एवं न्यायोचित दृष्टिकोण से भी उचित नहीं है। माध्यमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष बिनोद कुमार चौबे व ने कहा कि अवकाश शिक्षकों के मानसिक व पारिवारिक संतुलन के लिए आवश्यक है। जिला सचिव शंकर प्रसाद ने विभाग से संवेदनशीलता दिखाने की अपील की। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष रंजन कुमार, अनुमंडल सचिव लक्ष्मण सिंह, शिक्षक नेता बृजेश राय, प्रभारी प्रधानाचार्य धनंजय ठाकुर, चंदन राय एवं बलराम कुमार भी उपस्थित रहे।

धरौली में रोमांच अपने चरम पर, नेपाल की एकमात्र गोल से दुगार्पुर धराशायी

- बाबू राजमोहन सिंह मेमोरियल फुटबॉल टूर्नामेंट के तीसरे दिन दर्शकों को देखने को मिला रोमांचक मुकाबला

केटी न्यूज/डुमरांव

ब्रह्मपुर प्रखंड के धरौली गांव स्थित जोगीबीर बाबा खेल मैदान में चल रहे बाबू राजमोहन सिंह मेमोरियल फुटबॉल टूर्नामेंट का तीसरा दिन रोमांच, उत्साह और खेल भावना से भरपूर रहा। सोमवार को खेले गए मुकाबले में नेपाल के सिरहा की टीम ने कड़े संघर्ष के बाद पश्चिम बंगाल के दुगार्पुर को 1-0 से पराजित कर दर्शकों का दिल जीत लिया। मैच के हर पल में रोमांच बना रहा और मैदान तालियों व नारों से गूंजता रहा।

भव्य उद्घाटन, अतिथियों ने बढ़ाया खिलाड़ियों का हौसला

तीसरे दिन के मुकाबले का विधिवत उद्घाटन डुमरांव राज परिवार के मान विजय सिंह ने किया। इस अवसर पर राजपुर विधायक संतोष कुमार निराला, डुमरांव विधायक राहुल सिंह और भाजपा नेता अमित पांडेय विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और प्रतीकात्मक रूप से गेंद को किक मारकर मैच का शुभारंभ किया। उद्घाटन के दौरान खेल मैदान में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला।



नेपाल का अनुशासित खेल, दुगार्पुर को मिली हार

नेपाल और दुगार्पुर के बीच खेला गया मुकाबला बेहद संघर्षपूर्ण रहा। दोनों टीमों ने आक्रामक और रक्षात्मक रणनीति के साथ खेल की शुरूआत की। पहले हाफ में दुगार्पुर ने कई बार गोल करने के प्रयास किए, लेकिन नेपाल की मजबूत डिफेंस ने हर हमले को नाकाम कर दिया। दूसरे हाफ में नेपाल की टीम ने अवसर का भरपूर फायदा उठाते हुए एक शानदार गोल दागा, जो अंततः जीत का निर्णायक क्षण साबित हुआ। अंतिम सीटी बजते ही नेपाल समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई।

दर्शकों में दिखा जबरदस्त उत्साह

मैच के दौरान स्थानीय ग्रामीणों, खेल प्रेमियों और युवाओं की भारी भीड़ मैदान में मौजूद रही। हर अच्छे पास, टैकल और बचाव पर दर्शकों ने तालियों से खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया। फुटबॉल प्रेमियों के लिए यह रोमांच दर्शकों का इंतजार कर रहा है।

खेल से निखरती प्रतिभा, अतिथियों का संदेश

उद्घाटनकर्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि हर व्यक्ति में कोई न कोई प्रतिभा छिपी होती है, जिसे सामने लाने के लिए ऐसे खेल आयोजन बेहद जरूरी हैं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण स्तर पर इस तरह के टूर्नामेंट न केवल खिलाड़ियों को मंच देते हैं, बल्कि युवाओं को नशा और गलत रास्तों से दूर रखकर सकारात्मक दिशा भी प्रदान करते हैं।

व्यवस्था और आयोजन की सराहना

फुटबॉल संघ के अध्यक्ष डॉ. रमेश सिंह और व्यवस्थापक रंजीत सिंह उर्फ फुड्डू सिंह ने बताया कि टूर्नामेंट को लेकर दर्शकों में जबरदस्त उत्साह है। खिलाड़ियों, अतिथियों और दर्शकों के लिए चाय, नाश्ता एवं पेयजल की समुचित व्यवस्था की गई है। उन्होंने जानकारी दी कि चौथे दिन आरा और बक्सर की टीमों के बीच मुकाबला खेला जाएगा, जिसे लेकर पहले से ही दर्शकों में खास उत्सुकता है।

जयंती पर आयोजन, लाखों के पुरस्कार दांव पर

मुख्य आयोजनकर्ता एवं सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता बाबू मनोज सिंह ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी बाबू राजमोहन सिंह की जयंती के अवसर पर इस भव्य फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया है। डुमरांव विधायक राहुल सिंह ने बताया कि 26 दिसंबर को टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। विजेता टीम को 5 लाख रुपये नकद और आकर्षक कप, जबकि उपविजेता टीम को 2 लाख 51 हजार रुपये नकद पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

रेफरी और उद्घोषकों की रही अहम भूमिका

मैच में मुख्य रेफरी मोहम्मद सलाम रहे, जबकि सहायक रेफरी के रूप में पटना से आए शशि कुमार सुमन, संतोष पांडेय, पप्पू कुमार सिंह और जनार्दन सिंह ने जिम्मेदारी निभाई। उद्घोषकों पिंटू कुमार, जितेंद्र कुमार और मनीष उपाध्याय ने अपनी सशक्त आवाज से मैदान का माहौल और भी जोशीला बना दिया।

गणमान्य लोगों की रही मौजूदगी

इस अवसर पर भाजपा नेता सोनू तिवारी, नवाप मुखिया वीर सिंह, चिलहरी मुखिया राजू सिंह, अमर सिंह, अर्जुन सिंह, मोनू तिवारी, अनिल सिंह, सुरेश सिंह, मोनू सिंह सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग और खेल प्रेमी उपस्थित रहे। धरौली का यह फुटबॉल टूर्नामेंट अब न केवल खेल प्रतियोगिता, बल्कि क्षेत्रीय उत्सव का रूप ले चुका है, जहां हर दिन नया

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत चौसा सीएचसी में विशेष जांच

केटी न्यूज/चौसा

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के अंतर्गत चौसा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में विशेष स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 35 गर्भवती महिलाओं की निःशुल्क चिकित्सकीय जांच की गई। यह शिविर मातृत्व दिवस के अवसर पर आयोजित किया गया, जिसे रविवार अवकाश के कारण सोमवार को मनाया गया। शिविर का उद्देश्य गर्भवती महिलाओं को प्रसवपूर्व स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना और सुरक्षित मातृत्व को बढ़ावा देना रहा। चिकित्सा प्रभारी डॉ. चंद्रमणि विमल की देखरेख में आयोजित इस शिविर में महिलाओं का हिमोग्लोबिन, रक्तचाप, ब्लड ग्रुप, एचआईवी, हेपेटाइटिस सहित अन्य आवश्यक जांचें की गईं। साथ ही जांच के दौरान उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की पहचान कर उन्हें विशेष परामर्श और नियमित फॉलोअप की सलाह दी गई। डॉ. विमल ने बताया कि समय पर और नियमित जांच से गर्भावस्था के दौरान होने वाली जटिलताओं को रोका जा सकता है। इससे न केवल मातृ स्वास्थ्य बेहतर होता है, बल्कि नवजात शिशु के जीवन की भी सुरक्षा सुनिश्चित होती है। उन्होंने गर्भवती महिलाओं को संतुलित आहार, आयरन की गोलियों का सेवन, नियमित टीकाकरण और चिकित्सकीय निदेशों का पालन करने पर जोर दिया। शिविर में मौजूद एएनएम, आशा कार्यकताओं और स्वास्थ्यकर्मियों ने महिलाओं को स्वच्छता, सुरक्षित प्रसव, नवजात शिशु की देखभाल और परिवार नियोजन से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां भी दीं। जांच के बाद महिलाओं में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर संतोष और जागरूकता देखने को मिली।

सैकड़ों जरूरतमंदों को मिला ठंड से राहत का सहारा मां भवानी मंदिर में आयोजित हुआ कंबल वितरण

केटी न्यूज/केसठ

ठंड के बढ़ते प्रकोप के बीच केसठ प्रखंड के ऐतिहासिक मां भवानी मंदिर परिसर में मानव सेवा का अनुकरणीय दृश्य देखने को मिला। तुलसी अतुल्य सेवा संस्थान के तत्वावधान में आयोजित कंबल वितरण कार्यक्रम ने सैकड़ों जरूरतमंदों के चेहरे पर मुस्कान ला दी। इस सामाजिक पहल का उद्देश्य केवल ठंड से बचाव ही नहीं, बल्कि समाज में सहयोग, संवेदना और सेवा की भावना को मजबूत करना रहा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के संस्थापक डॉ. कुंवर भीम सिंह ने की, जबकि मंच संचालन विनोद कुमार गुप्ता द्वारा किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में नवानगर थाना के एसआई मुन्ना यादव उपस्थित रहे। आयोजन को सफल बनाने में संस्था के सचिव व्यास मुनि सिंह की भूमिका भी अहम रही, जिन्होंने व्यवस्थापक के रूप में समस्त व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से संभाला।



कंबल वितरण के दौरान बड़ी संख्या में गरीब, वृद्ध एवं असहाय लोग उपस्थित रहे। कंबल पाकर लाभार्थियों में खासा उत्साह देखने को मिला और उन्होंने संस्था के इस प्रयास की सराहना की। कार्यक्रम के दौरान सामाजिक कार्यकर्ता सुभाष आर्य, कृष्ण कुमार उर्फ नकुल, सुशील कुमार, दिग्विजय सिंह, जालिम दुबे, कुंवर सिंह, काशी महतो, विनोद सिंह, मनोज चौकीदार, विश्वामित्र शर्मा, रतन रावत, कपिल मुनि महतो, हीरालाल यादव सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

कार्यक्रम को सफल बनाने में इंजीनियर सुरेंद्र सिंह, गुरुकुल पब्लिक स्कूल, तुलसी इंटरप्राइजेज, शिवशंकर सिंह, अमरेंद्र कुमार, बसंत जी, किश्तू कुर्मी सहित अन्य सहयोगकताओं का उल्लेखनीय योगदान रहा। आयोजन ने यह संदेश दिया कि सामूहिक प्रयास से समाज की बड़ी समस्याओं को भी कम किया जा सकता है।

जदयू नेता रवि उज्ज्वल ने जन्मदिन पर पौधरोपण कर दिया हरियाली का संदेश

- बोले रवि उज्ज्वल वर्ष में एक पेड़ जरूर लगाएं, तभी बनेगा सुंदर और स्वस्थ समाज

केटी न्यूज/डुमरांव

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक प्रेरणादायी पहल करते हुए जदयू नेता रवि उज्ज्वल कुशवाहा ने सोमवार को अपने जन्मदिन के अवसर पर पौधरोपण किया। इस अवसर पर उन्होंने समाज को पर्यावरण के प्रति जागरूक होने का संदेश देते हुए कहा कि यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में वर्ष में कम से कम एक पेड़ लगाने का संकल्प ले, तो देश में हर साल करोड़ों नए पेड़ लगाए जा सकते हैं। इससे न केवल पर्यावरण संतुलन बेहतर होगा, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को एक स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ समाज भी मिल सकेगा।

रवि उज्ज्वल कुशवाहा ने कहा कि आज का दौर गंभीर पर्यावरण संकट से गुजर रहा है। बढ़ता प्रदूषण, घटती हरियाली और लगातार बिगड़ती वायु गुणवत्ता लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रही है। कई बड़े शहरों में वायु गुणवत्ता सूचकांक खतरनाक स्तर तक पहुंच चुका है, जिससे लोगों की जिंदगी दवाओं पर निर्भर होती जा रही है। ऐसे में पर्यावरण को बचाने के लिए केवल सरकारी प्रयास ही नहीं, बल्कि समाज के हर व्यक्ति की भागीदारी जरूरी है।

उन्होंने कहा कि पौधरोपण केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि भविष्य को सुरक्षित करने का संकल्प है। एक पेड़ न केवल ऑक्सीजन देता है, बल्कि जल संरक्षण, तापमान संतुलन और जैव विविधता को बनाए रखने में भी



अहम भूमिका निभाता है। यदि लोग अपने जन्मदिन, विवाह वर्षगांठ या किसी विशेष अवसर पर पौधा लगाएं और उसकी देखभाल करें, तो यह एक जनआंदोलन का रूप ले सकता है।

पौधरोपण कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने भी इस पहल की सराहना की और इसे अनुकरणीय बताया। स्थानीय लोगों ने कहा कि रवि उज्जवल कुशवाहा का यह कदम समाज के लिए एक सकारात्मक संदेश है, जो खासकर युवाओं को प्रकृति से जुड़ने के लिए प्रेरित करेगा।

कार्यक्रम के अंत में रवि उज्जवल कुशवाहा ने सभी से अपील की कि वे केवल पेड़ लगाकर ही न रुकें, बल्कि उसकी नियमित देखभाल भी करें। तभी सच्चे अर्थों में पर्यावरण संरक्षण संभव होगा और आने वाली पीढ़ियों को एक सुरक्षित व स्वस्थ भविष्य मिल सकेगा।

स्टेशन रोड की कालकरण होने से नगवासियों में हर्ष ट्रेनिंग स्कूल से पुराना भोजपुर चौक तक बनना है रोड

- डेढ़ दशक से जर्जर रोड की त्राशदी झेल रहे हैं, डुमरांव शहर व अनुमंडलवासी

केटी न्यूज, डुमरांव

पंद्रह शालों से जर्जर रोड की त्राशदी झेल रहे डुमरांव शहर व अनुमंडलवासियों को राहत मिलने जा रही है। इसकी मरम्मतिकरण के लिये 1 करोड़ 31 लाख रुपए स्वीकृति मिली हुई थी। विधान सभा चुनाव से पहले इसके मरम्मतिकरण का काम भी लगा हुआ था, लेकिन तारीख की घोषणा होते ही आचार संहिता लागू हो जाने के कारण काम को रोक दिया गया। चुनाव समाप्त होने के बाद जब पुनः काम नहीं लगा तब डुमरांव विधायक राहुल सिंह ने निर्माण एजेंसी से बात की, तब जाकर सोमवार से काम लगाया गया। नगर थाना से काम शुरू कर दिया गया है। कालीकरण करने से पहले केमिकलयुक्त पानी का छिड़काव किया गया, फिर एक तरफ



से काम शुरू किया गया। काम शुरू होते ही नगवासी एवं व्यवसायी सभी रोड के किनारे खड़ा होकर कालीकरण का काम देख रहे थे। मालूम हो कि जर्जर सड़क के कारण व्यवासायियों की कमर ही टूट गई थी। बड़े व्यापारी यहां से अपना हाथ ही खींच लिये थे, क्योंकि वाहन जर्जर सड़क के कारण आने से कतराते थे। इतना ही नहीं जो आ गए वे जर्जर सड़क के कारण क्षमता से अधिक माल नहीं लोड करते थे, जिससे उन्हें काफी घटा लग रहा था। ऐसे में चट्टी के दुकानदारों को चांदी कट रही थी। जैसे कोरानसराय, नया और पुराना भोजपुर, कृष्णब्रह्म, ब्रह्मपुर चौरस्ता के व्यापारी मालोमाल हो रहे थे। सड़क का निर्माण ट्रेनिंग स्कूल से लेकर पुराना भोजपुर चौक तक बनाना है। बहरहाल आगे जो भी हो, लेकिन रोड बनाने का कार्य शुरू होने से हर तरफ खुशी का माहौल है।

नगर पंचायत में गलत तरीके से बन रहे भवन निर्माण रोकने की उठी मांग

केटी न्यूज/रोहतास

कोचस मे बन रहे नगर पंचायत भवन के प्रस्तावित निर्माण कार्य पर रोक लगाने को लेकर स्थानीय लोगो ने गुहार लगाई है। समाजसेवी पासवान ने कहा कि नगर पंचायत भवन का निर्माण प्रधानमंत्री उच्च विद्यालय कोचस के बिल्कुल बगल में प्रस्तावित किया जा रहा है, यदि ऐसा किया गया तो विद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियां गंभीर रूप से प्रभावित होगी, कोचस नगर पंचायत का कार्यालय जहां पूर्व से स्थित है उसके सीमावर्ती भूमि का विधिवत चयन कुछ समय पूर्व किया गया था,



उक्त चयनित भूमि नगर पंचायत कार्यालय निर्माण हेतु पूर्णतः उपयुक्त एवं बाधा रहित है। जैसे में विद्यालय के मुख्य मार्ग का उपयोग प्रतिदिन सैकड़ो छात्र-छात्राएं करते हैं, इस मार्ग पर नगर पंचायत कार्यालय हेतु वाहनों का आवागमन बढ़ने से बच्चों के लिए अत्यधिक जोखिम साबित हो सकती है, विद्यालय परिसर एवं कक्षाओं में अनुशासन शांति और शिक्षण का वातावरण निरंतर भारी शोर गुल एवं भीड़ के कारण बाधित होगा, जबकि नगर पंचायत के कार्य हेतु आने-जाने वाले वाहनों तथा परिसर में रुकने वाली गाड़ियों से यातायात अवरोध उत्पन्न होगा, जिससे विद्यालय के प्रवेश द्वार पर गंभीर समस्या खड़ी हो सकती है। साथ ही विद्यालय के पास सरकारी भवन निर्माण से छात्राओं के आने-जाने में बाधा सुरक्षा संबंधी जोखिम तथा शिक्षण गतिविधियों में व्यवधान निश्चित रूप से उत्पन्न हो जाएगा। इन परिस्थितियों में प्रस्तावित निर्माण स्थल शिक्षा हित में पूर्णतः प्रतिकूल है, जबकि पहले से चयनित भूमि नगर पंचायत कार्यालय निर्माण हेतु अधिक उपयुक्त और सुरक्षित है। वही उन्होंने ने यह भी कहा कि रोहतास जिला पदाधिकारी उदिता सिंह से मेरा निवेदन है कि प्रधानमंत्री उच्च विद्यालय कोचस के बगल में नगर पंचायत भवन का चल रहे निर्माण कार्य को तत्काल प्रभाव से रोका जाए और नगर पंचायत का निर्माण पूर्व में चयनित भूमि पर ही कराए जाने की आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किया जाए ताकि क्षेत्र के बच्चों की शिक्षा सुरक्षा और विद्यालय का शैक्षणिक वातावरण सुरक्षित हो सके।

भ्रष्टाचार : नोखा नगर परिषद में सफाई के नाम पर एनजीओ द्वारा सरकारी खजाने की लूट

- अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी संकेत कुमार ने प्रेसवार्ता कर किया उद्भेदन

केटी न्यूज/रोहतास

नगर परिषद, नोखा में वर्तमान में सफाई व्यवस्था एक गंभीर चुनौती बनी हुई है। जो शहर के विभिन्न वार्डों में कचरे का अंबार और नालों में जलभराव की स्थिति ने स्थानीय नागरिकों के जीवन को प्रभावित किया है। जिसके उपर नगर परिषद के ईओ और सभापति ने भी एनजीओ के खिलाफ चुप्पी साध रखा है आखिर क्यों ? जो कहीं न कहीं विकास कार्य की भ्रष्टाचार को उजागर करता नजर आ रहा है। जो अब आयो दिन बेटियों की शादी से लेकर मरीजों को लेकर आने-जाने में मुसीबत का सबब बनता जा रहा है।

क्या है समस्या का कारण और वर्तमान स्थिति : कचरा प्रबंधन का



अभाव शहर के मुख्य बाजारों और रिहायशी इलाकों जैसे बस स्टैंड, थाना चौक और विभिन्न गलियों में नियमित कचरा उठाव न होने से गंदगी फैली रहती है। डंपिंग यार्ड के लिए स्थायी और उचित स्थान की कमी एक बड़ा मुद्दा है, जिसके कारण कचरा अक्सर सड़कों के किनारे ही पड़ा रहता है। जो नगर परिषद क्षेत्र की अधिकांश नालियां गाद यानी सिल्ट से भरी हुई हैं। जो जल निकासी की उचित व्यवस्था न होने के कारण हल्की बारिश में भी सड़कों पर गंदा पानी जमा हो जाता है, जिससे राहगीरों को परेशानी होती है और बीमारियों के फैलने का खतरा बढ़ जाता है।

संसाधनों और मैनपावर की कमी : हालांकि नगर परिषद के पास सफाई कर्मी और कूड़ा ढोने वाले वाहन मौजूद हैं, लेकिन उनकी निगरानी और बेहतर रूट चार्ट न होने के कारण कई वार्डों में सफाई अभियान प्रभावी नहीं हो पाता है। सफाई कर्मियों की नियमित उपस्थिति पर भी अक्सर सवाल उठते रहते हैं। साथ ही जन-जागरूकता में कमी के कारण स्थानीय निवासियों द्वारा भी कचरा खुले में फेंकने की प्रवृत्ति सफाई व्यवस्था को और बिगाड़ रही है। गीले और सूखे कचरे का अलग-अलग निस्तारण करने की आदत अभी तक पूरी तरह विकसित नहीं हुई है।

क्या कहते है नगर परिषद के लोग

इस पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए नगर परिषद के पूर्व सभापति पम्मी वर्मा के प्रतिनिधि सह समाजसेवी विजय सेठ ने बताया कि नियमित निगरानी न होने के कारण नगर परिषद के अधिकारियों को वार्ड स्तर पर सफाई की दैनिक रिपोर्ट लेनी चाहिए और लापरवाह कर्मचारियों पर कार्रवाई करनी चाहिए। साथ ही डस्टबिन और डंपिंग साइट हर मुख्य चौक-चौराहों पर बड़े डस्टबिन लगाए जाने चाहिए और शहर से बाहर एक वैज्ञानिक तरीके से कचरा निस्तारण केंद्र स्थापित किया जाना चाहिए। जो नगर परिषद की लापरवाही को उजागर कर विकास के नाम पर भ्रष्टाचार को उजागर कर रहा है। जबकि मोहम्मद ईसा, तारिक अनवर, रसीद आलम, दामोदर सेठ, कृष्ण बिहारी वर्मा सहित राजू सेठ ने बताया कि यदि नालियों का सौंदर्यीकरण कर नालियों को ढंकने और उनकी समय-समय पर गहरी सफाई सुनिश्चित करने से जलभराव की समस्या खत्म हो सकती



है। जो नोखा नगर परिषद को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए प्रशासन की सक्रियता और आम जनता का सहयोग दोनों अनिवार्य हैं। यदि नगर परिषद प्रशासन बिहार सरकार के नगर विकास एवं आवास विभाग के दिशा-निदेशों का सख्ती से पालन करे, तो स्थिति में सुधार संभव है। नगर परिषद में हो रही भ्रष्टाचार के संबंध में लोगों ने बताया कि वह अपनी शिकायतें बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम के तहत भी अपनी शिकायत दर्ज कराने की मंशा बना लिया है।

पीडीएस दुकानदार को अपराधियों ने मारी गोली

केटी न्यूज/ भोजपुर

हथियारबंद अपराधियों ने पीडीएस दुकानदार को गोली मार दी। बुलेट बाएं पैर के पास लगी है। जिससे वह घायल हो गया। परिजन इलाज के लिए निजी अस्पताल में लेकर पहुंचे। घायल की पहचान गड़हनी थाना क्षेत्र के शिवपुर गांव निवासी आफताब अली (40) के रूप मे हुई। आफताब शिवपुरी चईयाचक में पीडीएस दुकान चलाते हैं। घटना गड़हनी थाना क्षेत्र के शिवपुर बधार में हुई जब आफताब अपने खेत में काम कर रहे थे। उसी दौरान बाइक सवार अपराधी ने गोली बारी शुरू कर दी जो आफताब के पैर में लगी। वह वहीं गिर पड़ा। जिसके बाद अपराधी भाग खडे हुए। आफताब ने बताया कि उनकी भाभी आमना खातून पूर्व में मुखिया थी। वर्ष 2019 में पंचायत चुनाव के दौरान आरोपी विकास यादव ने उनसे उनसे पांच लाख रुपए की रंगदारी मांगी थी। जिसको लेकर उनके थाने में रंगदारी मांगने को लेकर में नामजद प्राथमिकी भी दर्ज कराई थी। उसी समय से विवाद चल रहा है।एक दिन पूर्व भी उन्होंने उसे देखा था और



इसकी सूचना स्थानीय थाना को दी थी। जिसके बाद पुलिस आरोपी के घर पर भी गई थी। परन्तु वो घर वहां नहीं था। रविवार की देर शाम बधार में खेत पर काम करवा रहा था। इस दौरान बाइक से विकास यादव अपने 2 साथियों के साथ वहां पहुंचा। ताबड़तोड़ चार राउंड फायरिंग कर दी। एक गोली मेरे पैर के पास लग गई।गड़हनी थानाध्यक्ष कमलजीत ने कहा कि विकास यादव ने पूर्व में जख्मी से रंगदारी मांगी थी। जिसको लेकर उनके प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। उसी केस को सुलह करने के लिए गोली मारने की बात सामने आई है। विकास का पूर्व से क्रिमिनल रिकॉर्ड रहा है। गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है।

काराकाट : सरकारी भूमि पर बने अवैध घर हुए ध्वस्त,ग्रामीणों ने लगाई न्याय की गुहार

केटी न्यूज/ रोहतास

काराकाट नगर पंचायत अंतर्गत काराकाट अंचल के नाद गांव में अतिक्रमण मुक्त अभियान चलाया गया। अंचलाधिकारी डॉ. रितेश कुमार ने बताया कि अतिक्रमण वाद संख्या 05/2021-22 के तहत मौजा नाथ, थाना नं.656, खाता संख्या 267, खेसरा 616, रकबा 39 डिसमिल) पर नाद गांव निवासी स्व. जियुत साह के पुत्र विश्वनाथ शाह द्वारा बिहार सरकार की भूमि यानी किस्म करहा पर किया गया अतिक्रमण हटा दिया गया। न्यायालय के सी डब्लू जेसी और एम जे सी के आदेश के आलोक में यह कार्रवाई की गई। इस संदर्भ में डॉ. रितेश कुमार ने आगे बताया कि 25 अगस्त 2025 को भी आंशिक रूप से अतिक्रमण हटाया गया था। अतिक्रमण हटाने के दौरान अंचल अमीन, पुलिस पदाधिकारी एसआई वरुण कुमार यादव, योगेश कुमार, राकेश कुमार सहित अन्य पुलिस बल मौजूद रहे। कार्रवाई के समय



ग्रामीणों की भारी भीड़ जुटी रही। जबकि विश्वनाथ शाह ने अतिक्रमण हटाने पर निराशा जताते हुए कहा हमारे गांव में आधे से अधिक लोग अतिक्रमण कर रखे हैं, लेकिन सिर्फ हमारा ही मकान तोड़ा गया। अब रहने का कोई ठिकाना नहीं बचा। ठंड का मौसम है, हम कहां जाएं? परिवार में दो लड़के बाहर रहते हैं, एक की शादी हो चुकी है और उसकी पत्नी यहीं नाद गांव में रहती है। अब कुछ समझ नहीं आ रहा। उनकी पत्नी मीना देवी ने शिकायत की, सरकार हमारे साथ गलत कर रही है। बिना किसी नोटिस के घर तोड़ने आ गए,लेकिन इस कड़ाके की ठंड में हम सपरिवार जाएं तो कहां जाएं। जो जान पर पहाड़ जैसी

डीडीयू जंक्शन पर अनारक्षित टिकट से जुड़े नुक्कड़ सभा कर लोगों किया गया जागरूक

- अनारक्षित रेलवे टिकट से जुड़ी दी गई प्रमुख सुरक्षा विशेषताएं

केटी न्यूज/ रोहतास

सासाराम (रोहतास) मंडल रेल प्रबंधक उदय सिंह मीना के दिशा-निर्देश पर पंडित दीन दयाल उपाध्याय डीडीयू मंडल के वाणिज्य विभाग द्वारा यात्रियों की सुविधा एवं जागरूकता को प्राथमिकता देते हुए अनारक्षित टिकटों की प्रामाणिकता से संबंधित विशेष अभियान निरंतर चलाया जा रहा है। इसी क्रम में वरीय मंडल वाणिज्य प्रबंधक राजीव रंजन के निर्देश पर आज दिनांक 22 दिसंबर 2025 को पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन (डीडीयू) के मुख्य भवन के पैसेंजर क्षेत्र में मंडल के वाणिज्य विभाग तथा स्काउट एवं गाइड सदस्यों द्वारा एक नुक्कड़



नाटक का आयोजन किया गया। इस प्रस्तुति के माध्यम से यात्रियों को अनारक्षित टिकटों की विशिष्ट सुरक्षा विशेषताओं अधिकृत माध्यमों से टिकट प्राप्त करने की प्रक्रिया तथा डिजिटल सत्यापन की सरलता के बारे में जानकारी दी गई। नाटक संवादात्मक एवं रोचक शैली में प्रस्तुत किया गया, जिससे यात्रियों को सहज रूप से यह समझाया जा सके कि वैध टिकट से यात्रा करना न केवल सुविधाजनक है। बल्कि यह यात्रा अनुभव को भी सुरक्षित बनाता है। अवसर पर मंडल के सहायक वाणिज्य प्रबंधकों विजेंद्र कुमार तथा अरविंद कुमार द्वारा यात्रियों से प्रत्यक्ष संवाद भी किया गया। यात्रियों को सदैव अधिकृत माध्यमों यथा टिकट काउंटर, एटीवीएम, यूटीएस ऐप आदि से टिकट लेने तथा सदैव टिकट में अपनी यात्रा से संबंधित विवरण को जांच लेने के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही यूटीएस यानी अनारक्षित टिकट भारतीय रेल द्वारा जारी किए जाते हैं। इन टिकटों में निम्नलिखित प्रमुख सुरक्षा विशेषताएँ तहत स्वर के विशेष फॉन्ट में मुद्रित रहते हैं। टिकट के ऊपरी बाएं कोने पर इंजन का चिन्ह मुद्रित होता है। स्टॉक नंबर एवं यादच्छिक संख्या का अंकित, स्टेशनरी पर भारतीय रेल का वॉटरमार्क सहित थर्मल प्रिंटर से जारी टिकटों पर क्यूआर कोड उपलब्ध होता है। टिकट केवल अधिकृत काउंटरों, एटीवीएम मशीनों या मोबाइल यूटीएस ऐप से ही प्राप्त करें। मोबाइल फोन में टिकट यूटीएस ऐप से ही दिखाएँ, अन्य फोल्डर या स्क्रीनशॉट से नहीं। टिकट किसी अजनबी या दलाल से न लें और न उनको दें। टिकट दलाल या ऐसे व्यक्ति यात्रियों को गुमराह कर फर्जी या पुराना टिकट थमा सकते हैं,जिससे यात्री को परेशानी और कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है। दूसरी तरफ टिकट जांच तहत टीटीई के पास उपलब्ध टीटीई ऐप के माध्यम से टिकटों का ऑनलाइन सत्यापन आसानी से किया जा सकता है। क्यूआर कोड स्कैन करने या यूटीएस नंबर दर्ज करने से टिकट की प्रामाणिकता की पुष्टि होती है। वही फर्जी टिकट का उपयोग दंडनीय है। यात्रियों से अनुरोध है कि वे केवल वैध टिकट लेकर यात्रा करें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना रेलवे अधिकारियों अथवा आरपीएफ को दें। डीडीयू मंडल द्वारा यह अभियान यात्रियों को जागरूक करने और सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

रोहतास डीएम ने दैनिक साक्षात्कार के क्रम में लोगों का किया

केटी न्यूज/ रोहतास

सोमवार को जिला पदाधिकारी उदिता सिंह के द्वारा दैनिक साक्षात्कार के क्रम में कुल 9 आम नागरिकों से साक्षात्कार किया गया।

उक्त साक्षात्कार के क्रम में आवेदक मुकेश कुमार विश्वकर्मा एवं समस्त ग्रामीण जनता ग्राम चंदनपुरा, प्रखंड - तिलौथू के द्वारा स्थानीय बंदरों द्वारा जन-जीवन को परेशानी से निजात दिलाने हेतु आवेदन दिया गया। जिस अविलंब निष्पादन हेतु वन प्रमंडल पदाधिकारी, रोहतास को अग्रसारित किया गया। \आवेदक शालिक दूबे उर्फ अप्पू दूबे, ग्राम- मदैनी, पोस्ट थाना शिवसागर के द्वारा भूमि विवाद से संबंधित आवेदन दिया गया। जिसे निष्पादन हेतु भूमि सुधार उप समाहर्ता,सासाराम को अग्रसारित किया गया। इस संदर्भ में आवेदन कर्ता अंजलिका सिंहा जनेश्वर



प्रसाद, ग्राम मिजार्पुर, पोस्ट भादांखरा,थाना तिलौथू के द्वारा माननीय उच्च न्यायालय बिहार पटना के सीडब्लू जेसी नं. 17137/2023 जो 24 सितंबर 2025 के पारित न्यायादेश के आलोक में महिला पर्यवेक्षिका के पद पर योगदान स्वीकृत के संबंध में आवेदन दिया गया। जिसे अविलंब निष्पादन हेतु जिला प्रोग्राम पदाधिकारी, आईसीडीएस को निदेशित किया गया। इसी प्रकार शेष सभी आवेदन पत्रों को संबंधित कार्यालयों संबंधित पदाधिकारियों को शीघ्र निष्पादन कराने हेतु निदेशित किया गया।

एक नजर

पुलिस ने फरार दो वारंटियों को भेजा जेल

रजौली। न्यायालय के आदेशों का उल्लंघन करने वाले फरार अपराधियों के खिलाफ पुलिस ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है।थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर राजेश कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने रविवार रात छापेमारी कर दो अलग-अलग गांवों से दो वारंटियों को धर दबोचा।पकड़े गये वारंटियों की पहचान छतनी पलाकी गांव निवासी श्री यादव के पुत्र रोहित कुमार और होरिला गांव निवासी कारू यादव के पुत्र सुनील यादव के रूप में हुई है।पुलिस उन लोगों की तलाश में जुटी है,जो अदालती कार्यवाही से बचकर भाग रहे हैं।इंस्पेक्टर राजेश कुमार ने बताया कि क्राइम कंट्रोल के लिए पुलिस अपराधियों और वारंटियों की धर-पकड़ के लिए लगातार अभियान चला रही है।लगातार हो रही इन गिरफ्तारियों से क्षेत्र के अन्य फरार वारंटियों में हड़कंप मचा हुआ है।सोमवार को कागजी कार्रवाई पूरी करने के बाद दोनों को जेल की सलाखों के पीछे भेज दिया गया।पुलिस ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है।थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर राजेश कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने रविवार रात छापेमारी कर दो अलग-अलग गांवों से दो वारंटियों को धर दबोचा।पकड़े गये वारंटियों की पहचान छतनी पलाकी गांव निवासी श्री यादव के पुत्र रोहित कुमार और होरिला गांव निवासी कारू यादव के पुत्र सुनील यादव के रूप में हुई है।पुलिस उन लोगों की तलाश में जुटी है,जो अदालती कार्यवाही से बचकर भाग रहे हैं।इंस्पेक्टर राजेश कुमार ने बताया कि क्राइम कंट्रोल के लिए पुलिस अपराधियों और वारंटियों की धर-पकड़ के लिए लगातार अभियान चला रही है।लगातार हो रही इन गिरफ्तारियों से क्षेत्र के अन्य फरार वारंटियों में हड़कंप मचा हुआ है।सोमवार को कागजी कार्रवाई पूरी करने के बाद दोनों को जेल की सलाखों के पीछे भेज दिया गया।

लूट कांड मामले में दो अपराधी गिरफ्तार

कोचस । विगत हफ्ते थाना क्षेत्र के बलथरी सतसा पुल के समीप से एक किसान से हुई पांच लाख रुपए की लूट मामले में पुलिस ने दो बदमाशों को गिरफ्तार करते हुए उनके पास से 80 हजार रुपए बरामद किया है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी सुमित कुमार उर्फ सीमा यादव अभय कुमार उर्फ निशु कुमार दोनो जुराबगंज थाना कोटा जिला कटिहार के बताए गए है।इसकी पुष्टि करते हुए थाना अध्यक्ष नीतीश कुमार ने बताया नौ दिसंबर को कोचस बैंक से पैसा निकाल कर घर जा रहे किसान ओमप्रकाश साह से बाइक सवार अपराधियों ने 5 लाख रुपए की लूट कर ली थी, जिसकी शिकायत पीड़ित किसान ने स्थानीय थाने में आकर अज्ञात के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई थी। जिसमे गठित की गई बिक्रमगंज अनुमंडल पुलिस की टीम ने कोढ़ा गैंग के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया और उसके पास से लुट की गई रुपए मे से 80 हजार रुपए को बरामद किया। पुलिस के द्वारा की गई पूछताछ में दोनों बदमाशों ने अपनी संलिप्तता स्वीकारा है। हालांकि इस घटना में शामिल अन्य अपराधियों की भी पुलिस तलाश कर रही है।

डीएम ने राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं प्रगति पर की समीक्षात्मक बैठक

सासाराम। रोहतास जिला पदाधिकारी उदिता सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को आरा से सासाराम पटना एनएच 119 ए तथा कोलकाता वाराणसी एनएच 319बी राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा हेतु एक विस्तृत बैठक आयोजित की गई। बैठक में भूमि अर्जन, मुआवजा भुगतान,लंबित दावों तथा कार्य-प्रगति से जुड़े सभी महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। जिला पदाधिकारी ने दोनों राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के अंतर्गत प्रभावित रैयतों भूमि स्वामियों को शीघ्र एवं पारदर्शी मुआवजा भुगतान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विशेष शिविर आयोजित करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिविरों के माध्यम से लंबित भुगतान से संबंधित मामलों का त्वरित निपटारा किया जाए, ताकि परियोजनाओं के क्रियान्वयन में अनावश्यक विलंब न हो। इसके साथ ही जिला पदाधिकारी ने निर्देश दिया कि दोनों परियोजनाओं से संबंधित मध्यस्थता समुचित रूप से संग्रह किया जाए, जिससे विवादित प्रकरणों का समयबद्ध समाधान संभव हो सके। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए रैयतों की समस्याओं का संवेदनशीलता के साथ समाधान करने पर विशेष बल दिया। बैठक में जिला भूमि अर्जन पदाधिकारी जफर हसन सहित भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के परियोजना निदेशक (पीडी) एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। परियोजना निदेशक द्वारा निर्माण कार्यों की वर्तमान स्थिति, आगामी कार्ययोजना तथा चुनौतियों से जिला प्रशासन को अवगत कराया गया। साथ ही निर्देश दिया कि राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं जिले के आर्थिक एवं सामाजिक विकास से सीधे जुड़ी हैं। अतः सभी संबंधित विभाग समन्वित रूप से कार्य करते हुए समयसीमा के भीतर कार्यों को पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।

मुखिया ने ठंड बचने से लिए गरीबों में बांटा कंबल, लोगों में खुशी

रोहतास । प्रखंड क्षेत्र के रसूलपुर पंचायत के मुखिया अनुराधा देवी ने रसूलपुर पंचायत के विभिन्न गांव में घूम-घूम कर गरीब वृद्ध, दिव्यांग,असहाय सैकड़ों लोगों में कंबल वितरित किया। वही लोगों ने बताया कि मुखिया अनुराधा देवी के द्वारा कंबल पाकर काफी खुश है। इस संदर्भ में मुखिया ने बताया कि रसूलपुर,ढेलाबाद,नावाडीह, कर्मा, मस्जिद मोड आदि जगहों पर कंबल वितरित किया गया है। मुखिया प्रतिनिधि जयकुमार सिंह ने बताया कि इसमें किसी भी तरह का सरकारी फंडिंग नहीं है मुखिया जी और उनके परिवार के तरफ से सामाजिक पहल के तौर पर सेवा भाव से गरीबों में कंबल वितरित किया। उन्होंने कहा कि हर साल ठंड में रहे लोगों के बीच मुखिया और उनके प्रतिनिधि के लोग कंबल वितरण के लिए जाते हैं। उन्होंने बताया कि जगह जगह ठंड में आलाव जलाने की भी व्यवस्था जल्द होगी। मौके पर सुदामा सिंह,ललित सिंह,बढ़क हुसैन,अलोक कुमार, लक्ष्मी चौधरी, दीपक कुमार,निशांत कुमार,रामजी सिंह उर्फ बड़े, मनोज कुमार सिंह किशोर कुमार सिंह, नगीना सिंह सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

आज नितिन नवीन का रोड शो, पटना में कई रोड बंद रहेंगे



एजेंसी। पटना

भारतीय जनता पार्टी के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के प्रस्तावित रोड शो को लेकर पटना पुलिस ने यातायात व्यवस्था में बड़े बदलाव किए हैं। यह रोड शो 23 दिसंबर 2025 को दोपहर 12 बजे से शाम चार बजे तक (या वीआईपी कार्यक्रम समाप्ति तक) आयोजित होगा। इस दौरान कई प्रमुख मार्गों पर वाहनों का परिचालन प्रतिबंधित रहेगा, जबकि वैकल्पिक मार्ग निर्धारित किए गए हैं। रोड शो पटना एयरपोर्ट से शुरू होकर अरण्य भवन, शेखपुरा मोड़, पटेल भवन, पुनाईचक, हाईकोर्ट, ऊर्जा भवन, आयकर गोलंबर होते हुए भाजपा प्रदेश कार्यालय और मिलर हाई स्कूल तक जाएगा।अग्निशमन वाहन, एंबुलेंस, शव वाहन, मरीजों के वाहन, न्यायिक कार्य से जुड़े वाहन और पासधारी वाहनों को प्रतिबंध से मुक्त रखा गया है। जिला परिवहन कार्यालय से एयरपोर्ट की ओर जाने वाले वाहनों को अलग-अलग मार्गों से डायवर्ट किया जाएगा। पटेल गोलंबर से एयरपोर्ट तक सड़क किनारे पार्किंग पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगी। एयरपोर्ट पर स्वागत के लिए आने वाले कार्यकर्ताओं को अपने वाहन बाहरी पार्किंग में ही खड़े करने होंगे। रोड शो के समय (12 से 4 बजे के बीच) उड़ान पकड़ने वाले यात्री कम से कम तीन घंटे पहले एयरपोर्ट पहुंचें। बेली रोड (नेहरू पथ) पर सगुना मोड़, दानापुर, डाकबंगला और आयकर गोलंबर की ओर आने-जाने वाले वाहनों के लिए वैकल्पिक मार्ग तय किए गए हैं। जगदेव पथ और वीरचंद पटेल पथ पर पार्किंग पूरी तरह वर्जित रहेगी।

वीरचंद पटेल पथ रहेगा पूरी तरह बंद

आर ब्लॉक गोलंबर से आयकर गोलंबर तक वीरचंद पटेल पथ के दोनों लेन में सभी प्रकार के वाहनों का परिचालन प्रतिबंधित रहेगा। रोड शो में शामिल होने वाले छोटे वाहनों की पार्किंग जीपीओ गोलंबर से आर ब्लॉक तक निर्धारित की गई है। बड़ी गाड़ियों और बसों की पार्किंग अटल पथ पर एक फ्लैंक में की जाएगी। प्रशासन ने आम लोगों से अपील की है कि अनावश्यक रूप से इस दौरान मुख्य मार्गों पर जाने से बचें और वैकल्पिक रास्तों का उपयोग करें, ताकि जाम की समस्या से बचा जा सके।

इस वैकल्पिक रोड से जाएं आम लोग

नितिन नवीन के प्रस्तावित रोड शो को लेकर पटना में यातायात की वैकल्पिक व्यवस्था की गई है। कंकड़बाग से पटना जंक्शन की ओर से पश्चिम दिशा में जाने वाले सभी प्रकार के वाहन जीपीओ आरओबी होते हुए आर ब्लॉक आरओबी, गर्दनीबाग आरओबी और अनिसाबाद गोलंबर के रास्ते अपने गंतव्य तक पहुंच सकेंगे। वहीं बेली रोड (नेहरू पथ) पर डाकबंगला से पश्चिम की ओर जाने वाले वाहनों के लिए दो वैकल्पिक मार्ग तय किए गए हैं। उत्तर दिशा में जाने वाले वाहन बुद्ध मार्ग, पुलिस लाइन तिराहा, राजापुर पुल होते हुए अशोक राजपथ से अपने गंतव्य की ओर जा सकेंगे, जबकि दक्षिण दिशा में जाने वाले वाहन कोतवाली टी, जीपीओ आरओबी, आर ब्लॉक आरओबी, गर्दनीबाग आरओबी होते हुए अनिसाबाद गोलंबर की ओर जा सकेंगे। इसके अलावा वीरचंद पटेल पथ पर आर ब्लॉक गोलंबर नीचे एवं आर ब्लॉक गोलंबर आरओबी के ऊपर से आयकर गोलंबर तक दोनों फ्लैंक में सभी प्रकार के वाहनों का परिचालन प्रतिबंधित रहेगा। रोड शो में शामिल होने वाले कार्यकर्ताओं और आमजनों के लिए पार्किंग की भी व्यवस्था की गई है। छोटे वाहनों की पार्किंग जीपीओ गोलंबर नीचे से आर ब्लॉक नीचे तक निर्धारित की गई है, जबकि बड़े वाहनों और बसों की पार्किंग अटल पथ पर सिंगल लेन के एक फ्लैंक में की जाएगी।

ललन-सम्राट के साथ पीएम मोदी और अमित शाह से मिले नीतीश

एजेंसी। पटना

बिहार चुनाव में शानदार जीत और दसवीं बार मुख्यमंत्री बनने के बाद पहली बार नीतीश कुमार दिल्ली गए हैं। सोमवार को सीएम नीतीश कुमार ने पीएम नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। इस दौरान उनके साथ केंद्रीय मंत्री एवं जदयू सांसद ललन सिंह और बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी भी मौजूद रहे। पीएम मोदी और सीएम नीतीश कुमार के बीच करीब 25 मिनट तक बातचीत हुई। वहीं गृह मंत्री से 15 तक बातचीत हुई। दोनों बैठक के दौरान बिहार से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। सूत्रों के अनुसार, केंद्र और राज्य के बीच समन्वय को और



मजबूत करने, विकास योजनाओं को गति देने तथा कानून-व्यवस्था और सुशासन से जुड़े मुद्दों पर विचार-विमर्श हुआ। इधर, इस मुलाकात के बाद गृह मंत्री अमित शाह ने सीएम नीतीश कुमार के साथ मुलाकात की तस्वीर साझा की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए सरकार प्रदेश में जनकल्याण और सुशासन को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। केंद्र और राज्य सरकार मिलकर बिहार के समग्र विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही हैं। बताया जाता है कि, इन दोनों बैठकों में तीन मुख्य मुद्दों पर चर्चा हुई। नेताओं की हिजाब विवाद, बिहार में कैबिनेट विस्तार, और राज्य की नीतियों से जुड़े वित्तीय मुद्दे, जिसमें 10,000 रुपये की महिला रोजगार योजना को लागू करना शामिल है, पर बातचीत हुई।बिहार विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को मिली शानदार जीत के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की यह पहली दिल्ली यात्रा है। बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए में नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) एक प्रमुख घटक दल है। प्रधानमंत्री के साथ नीतीश की बैठक में बिहार की वित्तीय नीतियों पर भी चर्चा हुई। इसमें 10,000 रुपये की महिला रोजगार योजना को लागू करने जैसे मुद्दे शामिल थे।

हिजाब विवाद बना परेशानी का कारण

नीतीश कुमार की पीएम नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से यह मुलाकात ऐसे समय में हुई है जब बिहार में एक महिला डॉक्टर से जुड़ा हिजाब विवाद सियासी रंग ले चुका है और इस पर जमकर बहस चल रही है। एक सप्ताह पहले 15 दिसंबर को एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा आयुष डॉक्टरों को नियुक्ति पत्रों के वितरण के दौरान यह विवाद उपजा था। नीतीश कुमार ने समारोह में एक महिला डॉक्टर नुसरत परवीन से पहले हिजाब हटाने को कहा था और फिर खुद ही उसे हटा दिया था। इस बीच उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बीच-बचाव की कोशिश की थी। यह घटना काफी चर्चित हो गई और इस पर देश-विदेश में जमकर बयानबाजी हुई। इस घटना के बाद से नुसरत परवीन ने अभी तक आयुष डॉक्टर की पोस्ट पर ज्वाइन नहीं किया है। राजनीतिक विश्लेषकों का मत है कि यह मामला अगले साल पश्चिम बंगाल में होने वाले विधानसभा चुनावों में मतदाताओं को प्रभावित कर सकता है। एनडीए इस मामले के व्यापक असर को लेकर सतर्क है। इस मुलाकात में बिहार के नीतीश कुमार के मंत्रिमंडल के विस्तार पर भी चर्चा हुई है। माना जाता है कि बैठक में मंत्रिमंडल में शामिल किए जाने वाले नए चेहरों के बारे में भी विचार किया गया है।

गड़बड़ी करने वालों की डिसमिस ही नहीं करेंगे बल्कि संपत्ति भी होगी जब्त : डिप्टी सीएम विजय सिन्हा

एजेंसी। पटना

बिहार सरकार के राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने जमीन से जुड़े मामलों में भ्रष्टाचार और गड़बड़ी करने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों को कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि यदि सरकारी जमीन में गलत तरीके से दाखिल-खारिज (म्यूटेशन) किया गया या किसी भी तरह की हेराफेरी की कोशिश हुई, तो सिर्फ निलंबन या बर्खास्तगी तक कार्रवाई सीमित नहीं रहेगी, बल्कि दोषी अधिकारियों और कर्मचारियों की संपत्ति भी जब्त की जाएगी। विजय सिन्हा ने कहा कि राजस्व और भूमि सुधार विभाग उन्हें यूं ही नहीं सौंपा गया है। सरकार और नेतृत्व ने सोच-समझकर यह जिम्मेदारी दी है, ताकि जमीन से जुड़े मामलों में व्याप्त भ्रष्टाचार पर सख्ती से लगाम लगाई जा सके। उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी भरे लहजे में कहा, ह्रकान खोलकर सुन लें, पाप करने वाला कोई भी बचेगा नहीं। जमीन में गड़बड़ी करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। मंत्री ने स्पष्ट



किया कि सरकारी जमीन राज्य की संपत्ति है और इसमें किसी भी प्रकार की गड़बड़ी सीधे-सीधे जनता के हक पर डाका डालने के समान है। उन्होंने कहा कि कई जगहों पर यह शिकायत मिल रही है कि कुछ अंचल अधिकारी (सीओ) और कर्मचारी मिलीभगत कर सरकारी जमीन का गलत तरीके से दाखिल-खारिज कर रहे हैं या रिकॉर्ड में हेराफेरी कर रहे हैं। ऐसे मामलों में अब जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जाएगी। विजय सिन्हा ने कहा कि अगर किसी अधिकारी या कर्मचारी के खिलाफ यह साबित होता है कि उसने जानबूझकर सरकारी जमीन का गलत म्यूटेशन किया है, तो उसके खिलाफ विभागीय कार्रवाई के साथ-साथ कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी। जरूरत पड़ी तो विजिलेंस जांच कराई जाएगी और दोष सिद्ध होने पर उनकी अवैध रूप से अर्जित संपत्ति जब्त की जाएगी। उन्होंने दो टूक कहा, सिर्फ डिसमिस करना ही पर्याप्त नहीं है, ऐसे लोगों को सबक सिखाना जरूरी है, ताकि आगे कोई ऐसी हिम्मत न करे। हालांकि मंत्री ने यह भी साफ किया कि सरकार सिर्फ दंड देने की नीति पर ही नहीं चलेगी। जो अधिकारी और कर्मचारी ईमानदारी से काम करेंगे, जमीन से जुड़े मामलों को पारदर्शी तरीके से निपटाएंगे और आम जनता को राहत पहुंचाएंगे, उन्हें पुरस्कार भी दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि अच्छे काम करने वालों को प्रोत्साहित करना भी उतना ही जरूरी है, ताकि सिस्टम में सकारात्मक माहौल बने। विजय सिन्हा ने कहा कि जमीन विवाद बिहार की एक बड़ी समस्या है और इसका मूल कारण वर्षों से चली आ रही अव्यवस्था और भ्रष्टाचार है। अब सरकार का लक्ष्य है कि भूमि रिकॉर्ड को पूरी तरह पारदर्शी बनाया जाए और आम लोगों को बार-बार दफ्तरों के चक्कर न काटने पड़ें।

सहरसा: नशे में धुत युवक चालू बिजली पोल पर चढ़ा, ग्रामीणों की सूझबूझ से बची जान



एजेंसी। पटना

बिहार में 9 साल से पूर्ण शराबबंदी लागू है, लेकिन ना तो शराब पीने वाले सुधरने का नाम ले रहे हैं और ना ही इसे बेचने वाले अपनी करतूतों से बाज आ रहे हैं। चोरी छीपे शराब बेची जा रही है और शराब की होम डिलीवरी भी बिना डरे की जा रही है। सहरसा में शराब के नशे में धुत होकर एक युवक बिजली के पोल पर चढ़ गया। उस वक्त बिजली चालू थी, ग्रामीणों ने बिजली कटवाकर युवक की जान बचाई। इसका वीडियो और फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिसे देखकर हर कोई हैरान हैं। मामला सहरसा जिले के बनमा ईटहरी प्रखंड के सहुरिया पंचायत स्थित लक्ष्मीनिया गांव की है जहां एक युवक की जान ग्रामीणों की तत्परता से बचाई जा सकी और इस तरह बड़े हादसे को टाला जा सका। बताया जाता है कि युवक अजय सदा लक्ष्मीनिया निवासी नारायण सदा का पुत्र है। नशे की हालत में वह चालू बिजली पोल पर चढ़ गया। बिजली के पोल पर लगे तार में उस वक्त करंट दौड़ रहा था। जिसे देख वहां मौजूद ग्रामीणों के बीच अफरा-तफरी मच गयी। ग्रामीणों ने युवक को बचाने की भरपूर कोशिश की। ग्रामीणों ने बिजली विभाग के दफ्तर में फोन कर इसकी सूचना दी. जिसके बाद आनन-फानन में बिजली काटी गयी और युवक की जान बचाई जा सकी।

बिहारशरीफ बस स्टैंड की बदहाली उजागर परिवहन मंत्री श्रवण ने किया बड़े बदलाव का एलान

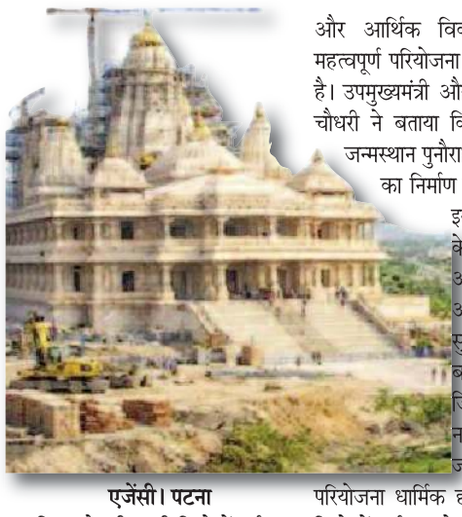
एजेंसी। पटना

बिहार सरकार के परिवहन मंत्री श्रवण कुमार ने सोमवार सुबह नालंदा जिले के बिहारशरीफ स्थित मुख्य सरकारी बस स्टैंड का व्यापक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान बस स्टैंड की जर्जर स्थिति को देखते हुए मंत्री ने इसके शीघ्र जीर्णोद्धार और बुनियादी सुविधाओं के विस्तार का आश्वासन दिया। डिपो इंचार्ज और जिला परिवहन पदाधिकारी (डीटीओ) नालंदा की मौजूदगी में किए गए निरीक्षण के दौरान मंत्री ने कार्यालय सहित पूरे परिसर का जायजा लिया। बस स्टैंड की वर्तमान स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए मंत्री श्रवण कुमार ने बताया कि यहां फिलहाल केवल 41 बसों का ही परिचालन हो रहा है और स्टाफ की भारी कमी बनी हुई है।उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यह बस स्टैंड खंडहर की तरह नहीं रहेगा। इसका पुनर्निर्माण कराया जाएगा, नया कार्यालय भवन बनाया जाएगा और आवश्यकता के अनुरूप सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।परिवहन व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने पर जोर देते हुए मंत्री ने कहा



कि राज्य सरकार और मुख्यमंत्री का लक्ष्य है कि परिवहन विभाग की सुविधाएं अंतिम व्यक्ति तक पहुंचें। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री परिवहन योजना के तहत प्रखंड से जिला स्तर तक सातझसात बसें उपलब्ध कराई जा रही हैं। इसके अलावा ग्राम पंचायत से प्रखंड तक आवागमन के लिए भी बड़े पैमाने पर लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं। परिवहन मंत्री ने दो नए बस मार्गों के संचालन की घोषणा की। पहला मार्ग पटना से दनियावां होते हुए बिहारशरीफ और राजगीर तक होगा, जबकि दूसरा मार्ग पटना से हिलसा, इस्लामपुर, राजगीर होते हुए हिसुआ से रजौली तक संचालित किया जाएगा। मंत्री ने बताया कि इन मार्गों का वर्कआउट पूरा हो चुका है और जल्द ही बसों का संचालन शुरू किया जाएगा। एमंत्री ने बताया कि राज्य के सभी मार्गों, विशेषकर लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के पथों पर पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मोड पर बसों का परिचालन किया जाएगा। जहां बिहार राज्य सड़क परिवहन निगम (बीएसआरटीसी) स्वयं बसें चला सकेगा, वहां निगम द्वारा ही संचालन किया जाएगा। राज्य सड़क परिवहन निगम की बसों की किफायती दरों का जिक्र करते हुए मंत्री ने कहा कि निगम की बसों का किराया टेम्पो से भी कम है, जबकि यात्रियों को बेहतर और सुरक्षित सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं।

सीतामढ़ी में बनेगा भव्य सीता मंदिर, सीतापुरी शहर से पर्यटन और रोजगार को मिलेगा बड़ा बढ़ावा



एजेंसी। पटना

बिहार के सीतामढ़ी जिले में पर्यटन और आर्थिक विकास को लेकर महत्वपूर्ण परियोजना शुरू की जा रही है। उपमुख्यमंत्री और गृह मंत्री सम्राट चौधरी ने बताया कि माता सीता के जन्मस्थान पुनौराधाम में भव्य मंदिर का निर्माण किया जा रहा है। इस मंदिर के निर्माण के बाद उसके आसपास एक आधुनिक और सुव्यवस्थित शहर बसाया जाएगा, जिसे सीतापुरी के नाम से जाना जाएगा। यह परियोजना धार्मिक दृष्टि के साथ-साथ जिले में पर्यटन को बढ़ावा देने में भी अहम भूमिका निभाएगी। बिहार के सीतामढ़ी जिले में पर्यटन और आर्थिक विकास को लेकर महत्वपूर्ण परियोजना शुरू की जा रही है। उपमुख्यमंत्री और गृह मंत्री सम्राट चौधरी ने बताया कि माता सीता के जन्मस्थान पुनौराधाम में भव्य मंदिर का निर्माण किया जा रहा है। इस मंदिर के निर्माण के बाद उसके आसपास एक आधुनिक और सुव्यवस्थित शहर बसाया जाएगा, जिसे सीतापुरी के नाम से जाना जाएगा। यह परियोजना धार्मिक दृष्टि के साथ-साथ जिले में पर्यटन को बढ़ावा देने में भी अहम भूमिका निभाएगी। सीतापुरी शहर के निर्माण से जिले में पर्यटन के क्षेत्र में नई संभावनाओं के द्वार खुलेंगे। पहले चरण में भव्य सीता मंदिर का निर्माण पूरा होगा, जो श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बनेगा। इसके साथ ही शहर की आधुनिक अवसंरचना और सुविधाएँ जिले में निवेश और रोजगार के नए अवसर पैदा करेंगी। डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने कहा कि सीतामढ़ी अब केवल धार्मिक महत्व का केंद्र नहीं रहेगा, बल्कि पर्यटन और निवेश के दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण शहर बन जाएगा। सम्राट चौधरी ने बताया कि बिहार में अगले एक-दो वर्षों में अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए लैंडिंग सुविधा शुरू की जाएगी। इसके लिए एयरपोर्ट की इन्फ्रास्ट्रक्चर और रनवे के विस्तार पर व्यापक काम चल रहा है। उनका कहना है कि राज्य सरकार का मुख्य उद्देश्य है कि अगले पांच वर्षों में मजबूरी में बिहार से बाहर मजदूरी करने वाले लोगों को राज्य में ही रोजगार उपलब्ध कराया जाए। डिप्टी सीएम ने स्पष्ट किया कि जो लोग बेहतर नौकरी की तलाश में दूसरे राज्यों में जाते हैं, यह बिहार के लिए गर्व की बात है। लेकिन जो लोग मजबूरी में बाहर जाकर मजदूरी करते हैं, उन्हें हर हाल में राज्य में ही सम्मानजनक रोजगार दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत अब केवल आचार-व्यवहार का प्रतीक नहीं रहा, बल्कि एक मजबूत राष्ट्र के रूप में दुनिया के सामने उभर रहा है। इस अवसर पर डिप्टी सीएम ने कोसी इलाके का भी जिक्र किया। सुपौल, सहरसा, मधेपुरा और खगड़िया जिले लंबे समय तक बाढ़ और प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित रहे हैं। पिछले 20 वर्षों में लगभग 10 लाख हेक्टेयर जमीन को सिंचित किया गया है। इस परियोजना से स्थानीय कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली है। सम्राट चौधरी ने कहा कि इन जिलों के विकास से बिहार में पर्यटन, कृषि और रोजगार के नए अवसर खुलेंगे।

भविष्य की संभावनाएं और निवेश

सीतापुरी शहर और भव्य सीता मंदिर का निर्माण न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह निवेश और रोजगार के नए अवसर भी पैदा करेगा। पर्यटक आकर्षण और आधुनिक शहर की सुविधाएँ मिलकर स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती देंगी। राज्य सरकार की योजना है कि अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के शुरू होने के बाद बिहार को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर प्रमुख स्थान मिले। बिहार सरकार की यह पहल स्पष्ट रूप से दिखाती है कि राज्य का विकास केवल धार्मिक या सांस्कृतिक दृष्टिकोण तक सीमित नहीं है। सीतामढ़ी में सीतापुरी शहर और सीता मंदिर के निर्माण से न केवल पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि रोजगार और निवेश के क्षेत्र में भी नई संभावनाएँ खुलेंगी। साथ ही, कोसी इलाके जैसे पिछड़े क्षेत्रों का विकास, सिंचाई और अवसंरचना

बिहार में रोजगार उपलब्ध कराना प्राथमिकता

डिप्टी सीएम ने स्पष्ट किया कि जो लोग बेहतर नौकरी की तलाश में दूसरे राज्यों में जाते हैं, यह बिहार के लिए गर्व की बात है। लेकिन जो लोग मजबूरी में बाहर जाकर मजदूरी करते हैं, उन्हें हर हाल में राज्य में ही सम्मानजनक रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत अब केवल आचार-व्यवहार का प्रतीक नहीं रहा, बल्कि एक मजबूत राष्ट्र के रूप में दुनिया के सामने उभर रहा है।

एक नजर

पटना के गौरीचक में फर्जी किडनैपिंग मामले का खुलासा, पुलिस ने दो आरोपियों को दबोचा

पटना। पटना के गौरीचक थाना क्षेत्र में ट्रक से धान ले जा रहे व्यक्ति के कथित किडनैपिंग और लूट की सनसनीखेज घटना का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। जांच में सामने आया कि यह किसी बाहरी अपराधियों की करतूत नहीं, बल्कि पीड़ित द्वारा अपने साथियों के साथ मिलकर रची गई फर्जी साजिश थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने डीएसपी विनय सालुकर के नेतृत्व में विशेष जांच टीम का गठन किया। टीम ने तकनीकी साक्ष्यों, विभिन्न पहलुओं और गहन पूछताछ के आधार पर मामले की परतें खोलीं। जांच में पता चला कि मंटू कुमार नामक व्यक्ति ने अपने दो दोस्तों नीतीश कुमार और रितेश कुमार के साथ मिलकर पूरी योजना बनाई थी। पुलिस के अनुसार, मंटू कुमार ट्रांसपोर्ट का काम करता है और संबंधित ट्रक उसी का है, जिसे उसने लोन पर लिया था। समय पर ईएमआई का भुगतान न कर पाने के कारण वह आर्थिक दबाव में था। पैसों के लालच में आकर उसने धान की खेप को अवैध रूप से बेचने की योजना बनाई और किडनैपिंग व लूट की झूठी कहानी गढ़ दी। योजना के तहत तीनों ने पहले धान को एक व्यापारी को बेच दिया और इसके बाद थाने में अज्ञात अपराधियों द्वारा हथियार के बल पर किडनैप कर ट्रक लूट लिए जाने की प्राथमिकी दर्ज कराई। हालांकि पुलिस की सख्त पूछताछ में सच्चाई सामने आ गई। मंटू कुमार की निशानदेही पर पुलिस ने ट्रक को एक स्थान से बरामद कर लिया। साथ ही 563 बोरा धान भी बरामद किया गया, जिसे पहले ही एक व्यापारी को बेच दिया गया था। पुलिस के संपर्क में आने पर व्यापारी ने पूरा धान लौटा दिया और उसे मामले में गवाह बनाया जा रहा है।

घना कोहरा और कड़ाके की ठंड : पटना समेत पूरे बिहार में मौसम का दोहरा असर

पटना। पटना में सोमवार को लगातार पांचवें दिन न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई। दिनभर धूप नहीं निकलने के कारण ठंड का असर और बढ़ गया, जिससे लोग सिहरते नजर आए। मौसम विभाग ने पटना में शीत दिवस जैसी स्थिति की चेतावनी जारी की है। सुबह के समय घना कोहरा छाए रहने की संभावना जताई गई है, हालांकि दिन चढ़ने के साथ कोहरा कुछ हद तक छंट सकता है, लेकिन बादल बने रहने के आसार हैं। रविवार को राजधानी में सुबह मध्यम स्तर का कोहरा देखा गया। इस दौरान अधिकतम तापमान में 0.2 डिग्री सेल्सियस की मामूली बढ़ोतरी हुई, जबकि न्यूनतम तापमान 0.3 डिग्री सेल्सियस गिर गया। मौसम विभाग के अनुसार, राज्य के पश्चिमी और मध्य भाग के जिलों में सोमवार को कुछ स्थानों पर शीत दिवस जैसी स्थिति बनी रह सकती है। अधिकांश जिलों में हल्के से मध्यम स्तर का कोहरा छाया रहेगा और बादल भी बने रहेंगे। मंगलवार को उत्तर और दक्षिण-पश्चिमी जिलों के एक-दो स्थानों पर घना कोहरा पड़ने की संभावना है, जबकि अन्य जिलों में हल्का से मध्यम कोहरा छा सकता है। अगले दो दिनों तक अधिकतम और न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव नहीं होने की संभावना है। मौसम विभाग ने बताया है कि प्रदेश में अगले छह दिनों तक मौसम शुष्क बना रहेगा। ठंड और घने कोहरे का असर यातायात व्यवस्था पर भी साफ दिख रहा है। रेल परिचालन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। पटना से गुजरने वाली कई लंबी दूरी की ट्रेनें 10 से 20 घंटे तक देरी से चल रही हैं, जिससे यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, दृश्यता कम होने के कारण पटना एयरपोर्ट से आने-जाने वाली पांच उड़ानें रद्द कर दी गई हैं, जबकि कई अन्य उड़ानें देरी से संचालित हुईं। मौसम सामान्य होने तक यात्रियों को सतर्क रहने और यात्रा से पहले अपडेट लेने की सलाह दी गई है।